बिलासपुर, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



महर्षि वाल्मीकि जयंती
आज





खबर संक्षेप

2.10 करोड़ की डिजिटल धोखाधड़ी, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर 2.10 करोड़ रुपये की डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी से जुड़ी रकम को आगे भेजने के लिए इस्तेमाल किए गए एक 'म्यूल' बैंक खाते का संचालन करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सोनू खान (36) और अर्जुन चौधरी (38) के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से चार मोबाइल फोन, छह डेबिट कार्ड और 10 चेकबुक बरामद की हैं। पुलिस ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की जांच के दौरान पाया कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार में पंजीकृत एक बैंक खाते में 12 अक्टूबर को 98,592 रुपए जमा हुए थे।

नेपाल के बैतडी जिले में 4.2 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। नेपाल के बैतडी जिले में रविवार को 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र ने यह जानकारी दी। रविवार दोपहर आए भूकंप का केंद्र भारत-नेपाल सीमा के पास सुदूर पश्चिम प्रांत में बैतडी जिले के दिलासैनी इलाके में था। भूकंप के झटके बैतडी और दार्चुला जिलों के आसपास के इलाकों में भी महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। नेपाल में हर साल कई बार भूकंप आते हैं।

हाथियों के कारण ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित

जमशेदपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में हाथियों के एक झुंड के रेल पटरियों के करीब आ जाने से करीब 12 ट्रेन की आवाजाही प्रभावित हुई। पटरियों



के पास हाथियों के आने की सूचना मिलने के बाद चक्रधरपुर मंडल के हाथियों के आवागमन वाले क्षेत्र में शनिवार की रात 10 बजकर 45 मिनट से रविवार की सुबह सात बजे तक ट्रेनों की गति 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक सीमित कर दी गई।

चित्रकार जोगेन चौधरी का निधन

कोलकाता। राज्यसभा के पूर्व सदस्य एवं चित्रकार जोगेन चौधरी का रविवार सुबह कोलकाता के एक अस्पताल में निधन हो गया। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व सांसद चौधरी (87) दुर्लभ प्रकार के रक्त कैंसर से जूझ रहे थे। वह पिछले 14 महीनों से 'मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म' नाम के दुर्लभ रक्त कैंसर से ग्रस्त थे और उनकी कीमोथेरेपी की जा रही थी। बयान में कहा गया कि तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें 16 अक्टूबर को दक्षिण-पूर्व कोलकाता के इस निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति के सख्त तेवर, ठाकरे परिसर से करवाया कई पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को बाहर

स्मृति ने कहा- देश में मैडम सिर्फ एक ही सोनिया गांधी, बाकी सब बहन-बेटियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाजपा की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी ने प्रदेश संगठन की बैठकों में जहां एक तरफ संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया, वहीं मैडम शब्द पर ऐतराज जताते हुए सभी से कहा, देश में मैडम सिर्फ एक ही हैं और वह हैं सोनिया गांधी, बाकी सब बहन, बेटियां हैं। हमारी पार्टी में मैडम शब्द का कोई स्थान नहीं है। भाजपा में भी सब बहन, बेटियां हैं।

खास खबर

प्रदेश प्रभारी के यहां कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचते ही सख्त तेवर भी देखने को मिले। परिसर में पहुंचने पर उन्होंने वहां पर भारी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को देखते ही नाराजगी जताते हुए साफ कहा, यहां पर भीड़ करने का क्या मतलब है। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए जिनकी जब बैठक है, तभी उनको परिसर में बुलाया जाए। परिसर में प्रवेश के समय प्रदेश के कुछ मंत्रियों, विधायकों को भी अपने वाहनों के साथ परिसर में प्रवेश करने नहीं दिया गया।

प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी ने रायपुर प्रवास के पहले दिन सुबह से लेकर शाम तक लगातार बैठकें ली। सभी बैठकों में जहां उन्होंने संगठन को लेकर सभी से चर्चा की, वहीं पार्टी की रीति-नीति पर भी बात की। प्रदेश के पदाधिकारियों को यह अलग ही बात सुनने को मिली कि पार्टी में मैडम शब्द का उपयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, देश में एक ही मैडम है वो हैं सोनिया गांधी।



139 कमल पुष्पों से सजी माला से स्वागत

अमनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 139वें संस्करण के सीधे प्रसारण के अवसर पर अमनपुर में आयोजित सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में आए प्रमुख अतिथि छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी एवं भाजपा राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती स्मृति ईरानी, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का 139 कमल पुष्पों से सजी विशेष माला से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अमनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंद्र कुमार साहू, 'मन की बात' प्रदेश प्रभारी प्रीतेश गांधी, भाजपा जिला मंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी संचित तिवारी, मंडल अध्यक्ष भरत बैस, किशोर साहू, नागेंद्र वर्मा, तोषण साहू, बूथ अध्यक्ष तोरण साहू सहित बूथ के कार्यकर्ता राजेश साहू, गोयल भट्ट, सागर साहू, सागर बारले, पार्षदगण, जनपद सदस्यगण एवं सरपंचगण सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जिनकी बैठक उनकी ही एंट्री

मन की बात कार्यक्रम के बाद जब बैठकों का दौर प्रारंभ हुआ, तो परिसर में सिर्फ उनको ही प्रवेश दिया गया जिनकी बैठकें थीं, लेकिन परिसर में सभी को एक साथ प्रवेश भी नहीं दिया गया। जिनकी जिस समय बैठक थी, उस समय ही उनको प्रवेश दिया। अपनी बैठक का इंतजार करके कई नेता परिसर के बाहर रहे।

भीड़ देखकर जताई नाराजगी

विमानतल से जब वह ठाकरे परिसर पहुंचीं, तो वहां पर भारी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को देखकर नाराजगी जताई और सवाल किया कि इतने लोगों को यहां पर क्यों और किसलिए बुलाया गया है। उन्होंने सभी से कहा सभी अपने-अपने बूथ में जाएं। यहां पर बेवजह किसी को रहने की जरूरत नहीं है। एक महिला नेत्री ने जब उनके साथ सेल्फी लेने का प्रयास किया, तो उनको भी उन्होंने मना कर दिया।

पावर बैंक फटने से हड़कंप

मुंबई-हावड़ा मेल के एसी कोच में धमाका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

चलती ट्रेनों में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल यात्रियों की सुरक्षा के लिए चुनौती बनता जा रहा है। शनिवार तड़के मुंबई-हावड़ा मेल के एसी कोच में एक यात्री का पावर बैंक फटने से आग लग गई और धुआं फैल गया। कोच में लगे फायर अलार्म के सक्रिय होते ही रेलवे कर्मियों का ध्यान घटना की ओर गया। संभावित खतरे को देखते हुए ट्रेन को रोकना पड़ा। हालांकि, स्थिति सामान्य होने के बाद ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। यह घटना चक्रधरपुर रेल मंडल के बंडामुंडा स्टेशन के पास की है। बताया जाता है कि इंजन से 14वें स्थान पर स्थित बी-3 कोच की बर्थ संख्या 6 पर एक यात्री का पावर बैंक फट गया। इससे आग लग गई और कोच में धुआं फैलने लगा। धुएं के कारण फायर अलार्म सिस्टम सक्रिय हो गया। घटना के बाद जांच में चेन पुलिंग की पुष्टि नहीं हुई। स्थिति सामान्य होने पर ट्रेन को हावड़ा के लिए रवाना कर दिया गया। प्रभावित यात्री को टीटीआई की ओर से दूसरी बर्थ उपलब्ध कराई गई।



छोटे उपकरण से बड़ा खतरा

इस घटना ने रेल यात्रा के दौरान पावर बैंक और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पावर बैंक की बैटरी में खराबी, ज्यादा गर्मी, उपकरण के क्षतिग्रस्त होने या तकनीकी गड़बड़ी के कारण आग लग सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि यात्रियों को अच्छी गुणवत्ता वाले पावर बैंक का इस्तेमाल करना चाहिए। फूली हुई, टूटी या असामान्य रूप से गर्म होने वाली बैटरी का उपयोग नहीं करना चाहिए। पावर बैंक को बिस्तर, कंबल या अन्य ज्वलनशील वस्तुओं के बीच रखकर चार्ज करने से भी बचना चाहिए।

अब रात में बंद रहेंगे कोच के अंदर चार्जिंग पॉइंट

इस घटना की पुष्टि करते हुए चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य चौधरी ने कहा कि अब रात में ट्रेनों के चार्जिंग पॉइंट बंद कर दिए जाएंगे। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। सीनियर डीसीएम ने बताया कि यात्री रात में पावर बैंक को चार्जिंग पर लगाकर सो गया था, जिसके कारण पावर बैंक में विस्फोट हो गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए रात में ट्रेन के चार्जिंग पॉइंट बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत सरकार ने जारी की एडवायजरी

सऊदी अरब में न वीडियो बनाएं, न ही करें प्रसारित



एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत ने रविवार को सऊदी अरब में रह रहे अपने नागरिकों को स्थानीय नियमों और विनियमों का पालन करने तथा मिसाइलों और ड्रोन को हवा में रोकने से जुड़ी घटनाओं का वीडियो बनाने या उनसे संबंधित जानकारी प्रसारित करने से बचने की सलाह दी। यह परामर्श क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच आया है। यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए जा रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों की कई घटनाओं के कारण क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। भारतीय दूतावास ने सऊदी अरब के नागरिक सुरक्षा निदेशालय की ओर से जारी अधिसूचना को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा, सऊदी अरब में रह रहे भारतीय समुदाय से स्थानीय नियमों और विनियमों का पालन करने का अनुरोध किया जाता है। अधिसूचना में कहा गया है, मिसाइलों और ड्रोन को रोकने की कार्रवाई तथा उनके गिरने या प्रभाव वाले स्थानों से जुड़ी जानकारी की वीडियो बनाना, उसे प्रसारित या साझा करना आपको कानूनी कार्रवाई के दायरे में ला सकता है। भारतीय मिशन ने रियाद और दम्माम से आने-जाने वाली एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें स्थगित किए जाने से जुड़ी जानकारी भी ▶▶|शेष पेज 6 पर

जेद्दा और मक्का में नियंत्रण कक्ष

महावाणिज्य दूतावास ने शनिवार को कहा कि जेद्दा और मक्का में उसके 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष प्रभावित भारतीयों को जरूरी सहायता मुहैया कराते रहे। इस काम में सामुदायिक संगठनों और स्वयंसेवकों की भी मदद ली जा रही है। उसने कहा कि जरूरत और उपलब्धता के अनुसार भोजन, आवश्यक दवाइयां तथा अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराया जा रहा है। मिशन ने यह भी कहा कि उड़ानें बाधित होने से पैदा हुई परेशानियों को दूर करने के लिए वह सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय के लगातार संपर्क में है। इस दौरान वीजा की वैधता और उड़ानों में देरी के कारण यात्रियों के प्रस्थान में होने वाली समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

रियाद से जल्द शुरू होंगी उड़ानें

इस बीच, एक वेब पोर्टल की खबर के अनुसार, रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रविवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहा है। समाचार पोर्टल ने यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के हवाले से यह भी बताया कि रविवार को हवाई रक्षा प्रणालियों ने रियाद की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोककर नष्ट कर दिया।

एनसीईआरटी की पहल

छात्रों के लिए एआई पर 20 घंटे का पाठ्यक्रम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने कृत्रिम मेधा (एआई) और 'कम्प्यूटेशनल थिंकिंग' पर 20 घंटे का एक प्रारंभिक पाठ्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत नौवीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थी दैनिक जीवन में कृत्रिम मेधा के उपयोग, उदाहरणों से मशीनों के सीखने की प्रक्रिया, 'डीपफेक' की पहचान और व्यक्तिगत आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी नैतिक सीमाओं के बारे में अध्ययन करेंगे। एनसीईआरटी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास और आईआईटी जोधपुर के परामर्श से इस गतिविधि-आधारित पाठ्यक्रम को विकसित किया है।

चर्चा के साथ प्रेक्टिकल भी

परिषद ने कहा, यह पाठ्यक्रम कृत्रिम मेधा की अवधारणाओं, अनुप्रयोगों और सीमाओं के साथ-साथ आंकड़ों की गोपनीयता तथा प्रौद्योगिकी के जिम्मेदार उपयोग को समझाने के लिए गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धति अपनाता है। इसमें चर्चा, व्यावहारिक अभ्यास, प्रयोग और आत्मचिंतन के माध्यम से विद्यार्थियों को सीखने के अवसर दिए जाते हैं। ये गतिविधियां डिजिटल उपकरणों के साथ या उनके बिना भी आयोजित की जा सकती हैं।

वित्तीय अनियमितता : जांच के दायरे में 392 अधिकारी-कर्मचारी, सात बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मध्यप्रदेश में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में 392 अधिकारी-कर्मचारी जांच के दायरे में हैं, जिनमें से सात को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने पत्रकारों को बताया कि इन अनियमितताओं के संबंध में 146 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। दुबे ने कहा, अब तक विभिन्न स्तरों के 392 अधिकारी जांच के दायरे में हैं या ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ मध्यप्रदेश में बड़ी कार्रवाई से हड़कंप



रोकी गई वेतनवृद्धि

कुछ अधिकारियों से राशि की वसूली की गाई है, कुछ की वेतनवृद्धि रोकी गई है, कुछ को पदावनत किया गया है और कुछ को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उनके द्वारा की गई अनियमितताओं के अनुपात में कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि अनियमितताओं के दोषी पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों से तीन से चार करोड़ रुपये की वसूली की गई है।

80 से अधिक ठेकेदारों पर भी एक्शन

अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा, अनुचित तरीके अपनाकर या गलत दरों पर सामग्री अथवा सेवाएं उपलब्ध कराने वाले 80 से अधिक ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। यह प्रक्रिया जारी है। दुबे ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार का रुख स्पष्ट है कि वित्तीय अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जनता के पैसे का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा।

पटना की सभा में कांग्रेस अध्यक्ष के विवादास्पद बोल पर छिड़ा संग्राम

मोदी पर खड़गे की आपत्तिजनक टिप्पणी बोले शाह- गालियों पर उतर चुकी कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राजनीति का पारा एक बार फिर सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। पटना की धरती से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक ऐसा बयान दे डाला है जिसके बाद देश की सियासत में मानों भूचाल आ गया है। खरगे ने सीधे पीएम मोदी के पिता को लेकर अपशब्द कहे। उन्होंने कहा कि 'मोदी का बाप भी जाएगा।' ये वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसपर मोर्चा खोलते हुए खड़गे और और कांग्रेस पार्टी की जमकर क्लास लगाई।

गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पटना में संबोधन के दौरान पीएम मोदी के पिता पर विवादित बयान दिया है। बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जयंती के अवसर पर रविवार को पटना में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद एक व्यक्ति की टिप्पणी 'प्रधानमंत्री कहीं ▶▶|शेष पेज 6 पर

शाह का सोशल मीडिया पर कड़ा प्रहार

अमित शाह ने तुरंत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आकर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी के परिवार के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करके शालीनता और राजनीति की सारी हदें पार कर दी हैं। शाह ने पुरानी यादें ताजा करते हुए ▶▶|शेष पेज 6 पर





ये देश की जनता का अपमानः नड्डा

भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के स्वर्गीय पिता जी के प्रति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की जितनी कड़ी निंदा की जाए, कम है। लगातार चुनावी हार से हताश कांग्रेस अपनी राजनीतिक खुन्नस प्रधानमंत्री मोदी जी और उनके परिवार पर अनर्गल टिप्पणियों के माध्यम से निकाल रही है।

साय बोले- खड़गे देश से माफी मांगें

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पटना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर्गीय पिता को लेकर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक हताशा में कांग्रेस अब भाषा की मर्यादा और भारतीय संस्कारों की सीमाएं भी लांघने लगी है। ▶▶|शेष पेज 6 पर



धान खरीदी के नियमों में बदलाव, अब किसान या नॉमिनी का फिंगरप्रिंट सत्यापन जरूरी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी सीजन शुरू होने से पहले किसानों के लिए नई व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। नई व्यवस्था के तहत धान बेचने के दौरान किसान या उसके अधिकृत नॉमिनी का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा। केवल ओटीपी के जरिए सत्यापन कर धान बेचने की प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकेगी।



इसके साथ ही टोकन में दर्ज धान की मात्रा को लेकर भी निर्देश जारी किए जाने की जानकारी दी गई है।

नई व्यवस्था के अनुसार, धान खरीदी केंद्र पर किसान की पहचान फिंगरप्रिंट के माध्यम से सत्यापित की जाएगी। यदि किसान किसी कारण से स्वयं खरीदी केंद्र नहीं पहुंच सकता, तो वह अपने अधिकृत नॉमिनी के माध्यम से धान बेच सकेगा। इसके लिए नॉमिनी का भी बायोमेट्रिक सत्यापन जरूरी होगा। किसानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नॉमिनी का विवरण संबंधित समिति के रिकॉर्ड में सही दर्ज हो। बताया गया है कि प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होगी और यह 31 जनवरी 2027 तक चलेगी।

टोकन में धान की मात्रा के निर्धारण को लेकर भी किसानों को सावधानी बरतनी होगी। निर्देशों के अनुसार, यदि किसी किसान को एक से अधिक टोकन जारी किए जाते हैं, तो उनमें धान की मात्रा बराबर रखी जाएगी। उदाहरण के तौर पर, किसी किसान को 120 क्विंटल धान बेचने के लिए दो टोकन मिलते हैं, तो प्रत्येक टोकन में 60-60 क्विंटल धान दर्ज होगा। इसी तरह, 300 क्विंटल धान के लिए तीन टोकन जारी होने पर प्रत्येक टोकन में 100 क्विंटल की मात्रा निर्धारित होगी। टोकन से कम धान लाने पर बची मात्रा निरस्त हो सकती है, अगले टोकन में जोड़ने की सुविधा नहीं होगी।

एग्रीस्टैक पंजीयन जरूरी

इस बार धान बेचने के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य किया गया है। किसानों को पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज करानी होगी। पंजीयन में किसान और खेती की जमीन से जुड़ी जानकारी दर्ज होगी। इससे सरकार को किसानों का रिकॉर्ड तैयार करने में मदद मिलेगी। बिना जरूरी पंजीयन के किसानों को धान बेचने में परेशानी हो सकती है।

प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेच सकेंगे

सरकार ने प्रति एकड़ धान खरीदी की सीमा तय की है। एक पंजीकृत किसान एक एकड़ में अधिकतम 21 क्विंटल धान बेच सकेगा। धान की दर 3100 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। किसान अपनी पंजीकृत जमीन के रकबे के अनुसार धान बेच सकेंगे।

सीएम साय ने प्रदेश प्रभारी स्मृति और कार्यकर्ताओं के साथ जमीन पर बैठकर सुनी मोदी के मन की बात



मन की बात में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपराओं और नवाचारों का निरंतर उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव का विषय : मुख्यमंत्री साय

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अभनपुर स्थित अग्रवाल भवन में भाजपा की प्रदेश प्रभारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू और कार्यकर्ताओं के साथ जमीन पर बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण देखा।

भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी रविवार को दो दिनों के प्रवास पर रायपुर पहुंचीं। विमानतल से कुशाभाऊ ठाकरे परिसर आने के बाद यहां से वह मुख्यमंत्री श्री साय के साथ अभनपुर गईं और वहां पर सभी के साथ बैठकर मन की बात कार्यक्रम को देखा। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, मन की बात देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज, पर्यावरण, संस्कृति, नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सामान्य नागरिकों के असाधारण प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री ने मन की बात की विभिन्न कड़ियों में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, खेल प्रतिभाओं, जल संरक्षण, पोषण और नवाचार से जुड़े प्रयासों को प्रमुखता से स्थान दिया है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम का उल्लेख कर बस्तर की खेल प्रतिभाओं एवं समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दी है। आज शांति, विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा बस्तर अपनी युवा प्रतिभाओं और सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से नई पहचान बना रहा है। इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सांसद लक्ष्मी वर्मा, अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।



विसर्जन कुंड के चारों ओर लगा ढांचों का ढेर, कुंड से गंदा पानी निकालने मोटर पंप लगाए

रायपुर। शहरभर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का कार्य पूरा होने के बाद भी रायपुरा के महादेवघाट के समीप नगर निगम द्वारा बनवाए गए विसर्जन कुंड के चारों तरफ किनारे में ढांचों का ढेर लग गया है, जिसमें बांस की खपच्ची, सजावट में प्रयुक्त सामग्री, पैरा, रस्सियां सहित विसर्जन के दौरान छोड़ी गई अन्य तरह की सामग्री यहां-वहां बिखरी पड़ी है। नगर निगम जोन-8 कमिश्नरी ने विसर्जन कुंड से गंदा पानी बाहर निकालने स्थल पर मोटर पंप लगाकर पानी खींचने का काम शुरू कराया है। पानी बाहर निकालने के बाद बाद कुंड की तलछटी की गंदगी को साफ कर खारुन नदी का स्वच्छ पानी इसमें भरा जाएगा। जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ने अनुबंधित ठेकेदार को कर्मचारी लगाकर कुंड के आसपास जमा ढांचों के ढेर को वहां से हटाकर सुरक्षित परिवहन कराने निर्देशित किया है।

बोर्ड कक्षाओं के लिए विवरण जांच अनिवार्य गलती हुई तो चुकाने होंगे 1600 रुपए

अनिवार्य रूप से देनी होगी आरक्षित वर्ग और दिव्यांग विद्यार्थियों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026-27 की दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए छात्रों के विवरण की जांच अनिवार्य करने के निर्देश दिए हैं। स्कूलों को सूची में दर्ज नाम, जन्मतिथि और विषयों समेत सभी जानकारियां सत्यापित करनी होंगी। बिना विलंब शुल्क के सूची जमा करने की अंतिम तारीख 21 अक्टूबर है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विद्यार्थियों के प्रवेशपत्र, अंकपत्र और उत्तीर्णता प्रमाणपत्र में कोई गलती न रहे। नाम, माता-पिता का नाम, जन्मतिथि और चुने गए विषयों में गड़बड़ी होने से विद्यार्थियों को आगे परेशानी हो सकती है। स्कूलों को विद्यार्थियों के आवेदन में दी गई जानकारी का स्कूल के प्रवेश रजिस्टर में दर्ज विवरण से मिलान करना होगा। सभी जानकारियां सही होने पर ही सूची को अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।

विद्यार्थी और माता-पिता के नाम की वर्तनी आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार होनी चाहिए। दसवीं के विद्यार्थियों की जन्मतिथि का आधिकारिक रिकॉर्ड से मिलान करना जरूरी है। मुख्य और वैकल्पिक विषयों का चयन सही होना चाहिए। विषय का कोड भी ठीक दर्ज होना चाहिए। आरक्षित वर्ग और दिव्यांग विद्यार्थियों की जानकारी सही होनी चाहिए, ताकि उन्हें नियमानुसार मिलने वाली सुविधाओं में परेशानी न हो। बोर्ड के निर्देशों के अनुसार, जानकारी सत्यापित करने के बाद स्कूल सूची का प्रिंट निकालेंगे। इस पर विद्यार्थी और उनके माता-पिता या अभिभावक के हस्ताक्षर लिए जाएंगे।



हस्ताक्षर के माध्यम से यह पुष्टि की जाएगी कि सूची में दर्ज जानकारियां सही हैं। इसलिए हस्ताक्षर करने से पहले सभी विवरण ध्यान से पढ़ना जरूरी है। सीबीएसई ने स्कूलों को सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। अंतिम रूप से सूची जमा होने के बाद किसी विद्यार्थी के विवरण में गलती मिलने पर संबंधित स्कूल प्रशासन की जिम्मेदारी तय हो सकती है।

2 नवंबर से संशोधन

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एलओसी में दर्ज गलतियों को सुधारने के लिए 2 से 4 नवंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। विद्यार्थियों और अभिभावकों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित अवधि में ही सभी जानकारियों की जांच कर लें। अंतिम रूप से विवरण जमा होने के बाद संशोधन कराना कठिन हो सकता है। निर्धारित प्रक्रिया के बाद विवरण में संशोधन कराने के लिए 1,600 रुपए का शुल्क देना पड़ सकता है। यह राशि मुख्य बोर्ड परीक्षा के पांच विषयों की कुल सामान्य फीस के बराबर बताई गई है। इसलिए विद्यार्थियों को सूची में दर्ज सभी जानकारियां ध्यान से जांचनी चाहिए। हालांकि, संशोधन शुल्क और उसकी लागू होने वाली शर्तों की पुष्टि सीबीएसई के आधिकारिक निर्देशों से करना उचित होगा।

खबर संक्षेप

गांजा तस्कर को 10 साल कैद की सजा

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र में चार वर्ष पूर्व गांजा के साथ गिरफ्तार तस्कर को किरण थवाईत की स्पेशल कोर्ट एनडीपीएस ने 10 वर्ष कैद तथा एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक भुवनलाल साहू के अनुसार, कोर्ट ने मध्यप्रदेश के शहडोल निवासी गौरीशंकर विश्वकर्मा को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपी 15 अगस्त 2022 को ट्रॉली बैग में 16 किलो गांजा लेकर भनपुरी चौक स्थित एक पेट्रोल पंप में मध्यप्रदेश जाने गाड़ी का इंतजार कर रहा था। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के ट्रॉली बैग की तलाशी लेकर गांजा जब्त किया था।

चाकू से जानलेवा हमला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आपसी रंजिश के कारण दुर्गा विसर्जन में शामिल होने गए युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भाठागांव त्रिमूर्ति नगर निवासी पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रवि ध्रुव को गिरफ्तार किया है। आहत युवक ने पुलिस को बताया कि 22 अक्टूबर को वह अपने परिचितों के साथ दुर्गा विसर्जन कार्यक्रम में शामिल होने गया था। वापसी के दौरान देर रात दंतेश्वरी मंदिर के पास आरोपी युवक पीड़ित के साथ पुरानी रंजिश को लेकर टिप्पणी करने के साथ विवाद करने लगा।

सराहनीय सेवा के लिए किया सम्मानित

रायपुर। अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 13 पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों को पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने प्रशस्तिपत्र एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में 28 किलोग्राम गांजा ले जा रहे एक महिला-पुरुष तस्कर को दबोचने वाले पुलिसकर्मी, चेकिंग के दौरान संदिग्ध व चोरी के तीन दोपहिया वाहन जब्त कर आरोपियों की गिरफ्तारी, आरोपियों को घेराबंदी कर मौके पर पकड़ने के साथ रावणभाटा दशहरा मैदान में भीड़ का लाभ उठाकर चोरी करने वाले पॉकेटमार को रंगे हाथ पकड़ने वाले पुलिसकर्मी के नाम शामिल हैं।

पुराना 11 और नया 2 फीसदी मिलाकर 14 फीसदी शुल्क लिया जा रहा है

अगले माह भी लगेगा बिजली बिल में भी एफपीपीएएस शुल्क का डबल झटका

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को सितंबर के बिजली बिल में डबल झटका लग रहा है। अक्टूबर में जो सितंबर का बिजली बिल आ रहा है, उसमें डबल एफपीपीएएस शुल्क लग रहा है। एक तो बीते माह का बचा हुआ 11 फीसदी और नए शुल्क का 2 फीसदी कुल मिलाकर 13 फीसदी शुल्क लग रहा है। सितंबर का शुल्क वैसे तो 14 फीसदी तय हुआ है, लेकिन इस माह दो फीसदी लेकर बचा 12 फीसदी शुल्क अगले माह वसूला जाएगा। ऐसे में अगले माह भी डबल झटका लगेगा। अभी कुछ माह तक डबल झटका ही लगने वाला है।

बिजली में हर माह अब एफपीपीएएस शुल्क तय होने के कारण हर माह बिजली के दाम बदल जाते हैं। इस साल के पहले माह जनवरी में जो दिसंबर का बिल आया था।



उसमें 13.64 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लिया गया। इसमें जहां 5.43 फीसदी पुराना शुल्क था, वहीं दिसंबर का 8.21 फीसदी शुल्क शामिल था। दिसंबर में एफपीपीएएस शुल्क 16.42 फीसदी तय हुआ था। इसमें से आधा दिसंबर के बिल के साथ लिया गया। इसके बाद बचा आधा 8.21 फीसदी शुल्क जनवरी के बिल में लिया गया। फरवरी में जब जनवरी का बिल आया तो उसमें पुराना 8.21 फीसदी शुल्क और जनवरी का नया शुल्क 4.14 फीसदी भी लिया गया। ऐसे में इस माह भी डबल झटका लगा था। लेकिन मार्च में जब फरवरी का बिल आया तो इसमें एफपीपीएएस शुल्क 5.91 फीसदी लगा। इसके बाद अप्रैल में मार्च का बिल आया तो इसमें एफपीपीएएस शुल्क और कम होकर 4.24 फीसदी लगा। मई में जब अप्रैल का बिल आया था इसमें 3.98 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लगा था। जून में जब मई का बिल आया तो इसमें करीब 9.13 फीसदी शुल्क लगा। इसके बाद जुलाई में जब जून का बिल आया तो इसमें शुल्क 11.33 फीसदी लगा। इसके बाद अगस्त में जब जुलाई का बिल आया तो इसमें दस फीसदी शुल्क लिया गया। इस माह 18 फीसदी शुल्क तय हुआ था, लेकिन जुलाई में टैरिफ में भी इजाफा होने के कारण 18 के स्थान पर 10 फीसदी की वसूली करके 8 फीसदी को बचाया गया था। इसके बाद सितंबर में जो अगस्त का बिल आया, उसमें पुराना 8 फीसदी और नया पांच फीसदी 13 फीसदी शुल्क लिया गया।

शुल्क बढ़ने का कारण ज्यादा बिजली खरीदी

बीते चार माह से एफपीपीएएस शुल्क के बढ़ने का कारण पॉवर कंपनी के अधिकारी यह बता रहे हैं कि इस बार बाहर से ज्यादा बिजली खरीदी गई है। ठीक गर्मी के समय ही करीब दो माह तक कोरबा के 210 मेगावाट के दो संयंत्र भी लगातार बंद रहे हैं। बीते माह भी 210 मेगावाट का एक संयंत्र बंद था। ऐसे में बाहर से ज्यादा बिजली लेनी पड़ रही थी। अभी अक्टूबर में दो संयंत्र बंद है। इस माह ते बिजली की भारी कमी भी हो गई है। दूसरे राज्यों से बिजली भी नहीं मिल रही है। खुले बाजार की बिजली के दाम भी आसमान पर चले गए हैं। ऐसे में तय है कि आने वाले कुछ माह और राहत नहीं मिलने वाली है।

प्रेस क्लब में फायरिंग से मचा हड़कंप, आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

कोतवाली थाना क्षेत्र के मोतीबाग स्थित रायपुर प्रेस क्लब परिसर में शनिवार की शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवक ने सरेआम पिस्टल निकालकर हवा में गोली चला दी। सार्वजनिक स्थल पर हथियार लहराने और फायरिंग कर दहशत फैलाने के इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ गैरजमानती धाराओं में अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने मौके से फायरिंग करने के सीसीटीवी फूटेज बरामद कर लिए हैं। फूटेज के लिए पुलिस ने प्रेस क्लब के डीवीआर को जांच के लिए अपने कब्जे में लिया है।

- उत्तरप्रदेश से पिस्टल लाने की बात सामने आई, पदाधिकारियों से विवाद के बाद फायरिंग करने का हल्ला

प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी की शिकायत पर पुलिस ने पलाश तिवारी को गिरफ्तार किया है। थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, घटना के समय प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों और अन्य नागरिकों की नियमित आवाजाही थी। इसी दौरान आरोपी युवक ने अवांछनीय तत्वों के साथ मिलकर पिस्टल से हवाई फायर किया और उपस्थित लोगों को डराने-धमकाने का प्रयास किया। अचानक हुई इस गोलीबारी से परिसर में मौजूद पत्रकारों और कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना दिनांक को आरोपी युवक नशे की हालत में प्रेस क्लब पहुंचा था, जहां वह प्रेस क्लब में अपनी सदस्यता को लेकर मीडियाकर्मियों तथा पदाधिकारियों से उलझने लगा। मौके पर मिले सीसीटीवी फूटेज में कार्यालय सचिव के कार्यलय में आरोपी युवक अपनी पिस्टल निकालकर लहराते दिखा है।

1 नवंबर को दिल्ली रैली में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं से शामिल होने का आह्वान

एआईसीसी पर्यवेक्षक ने की शहर और ग्रामीण जिला कांग्रेस में 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान की समीक्षा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

'वोट बचाओ–देश बचाओ, लोकतंत्र बचाओ–संविधान बचाओ' अभियान के तहत रायपुर में शहर और ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटियों की अलग-अलग बैठकें आयोजित की गईं। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने अभियान के तीसरे चरण के दौरान बूथ स्तर पर गतिविधियां तेज करने, मतदाता सूची से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा करने और 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाली रैली में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी की विशेष बैठक में 'वोट बचाओ–देश बचाओ' अभियान के तहत अब तक आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। कांग्रेस भवन में राष्ट्रीय पर्यवेक्षक एवं सांसद शोभा बाछाव की अध्यक्षता तथा प्रभारी सचिव विजय जांगिड़ के विशेष आतिथ्य में आयोजित बैठक में अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत की गई। यह चरण 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक चलाया जाएगा। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नियुक्त प्रभारी अरुण वोरा भी मौजूद रहे। बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विभिन्न चुनावों में मतदाता सूची में कथित काट-छांट और वोटों की हेराफेरी के आरोप लगाए। कार्यकर्ताओं ने विधानसभा और नगरीय निकाय चुनावों के दौरान बूथ स्तर पर सामने आई शिकायतों की समीक्षा करते हुए मतदाता सूची की पारदर्शिता और चुनावी प्रक्रिया में सुधार की जरूरत बताई। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने अब तक आयोजित अभियान के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

तीसरे चरण की हुई शुरुआत, एआईसीसी पर्यवेक्षक शोभा बाछाव की अध्यक्षता में कांग्रेस भवन में बैठक

उन्होंने संगठन स्तर पर किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से चुनाव आयोग और जिला प्रशासन से संबंधित प्रक्रियाओं पर नजर रखने तथा किसी भी संभावित अनियमितता की जानकारी जुटाने पर जोर दिया। रायपुर जिला ग्रामीण की बैठक में सांसद शोभा बच्छाव ने लोकतंत्र की मजबूती, चुनावी शुचिता और संविधान के मूल्यों की रक्षा के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, मताधिकार की रक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है। नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। जिला प्रभारी विजय जांगिड़ ने कहा, अभियान को प्रभावी बनाने के लिए संगठन के प्रत्येक स्तर पर समन्वय और सक्रियता जरूरी है। ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर के पदाधिकारी जनता के बीच जाकर संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। बैठक में महीनेभर के अभियान के दौरान आयोजित कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी आंदोलन की तैयारियों, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और विभिन्न संगठनात्मक इकाइयों के बीच समन्वय पर चर्चा हुई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, 'वोट बचाओ–देश बचाओ' अभियान लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा से जुड़ा है। उन्होंने ब्लॉक अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अभियान को गांव-गांव तथा बूथ स्तर तक पहुंचाने की अपील की।

एआईसीसी पर्यवेक्षक शोभा बछाव ने उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर लोगों के बीच संदेह बढ़ रहा है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा चुनावी व्यवस्था में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए निष्पक्षता और पारदर्शिता आवश्यक है। बाछाव ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने मांग की कि त्रुटिवश हटाए गए पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़े जाएं और मतदाता सूची से जुड़े डिजिटल आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं। उन्होंने कहा, मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका बहाल की जानी चाहिए। उन्होंने ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से मतदान कराने और चुनाव संबंधी आंकड़ों को पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने की मांग भी की।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पदाधिकारी रहे उपस्थित

बैठक में पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, एजाज ढेबर, कुलदीप जुनेजा, आकाश शर्मा, सकलैन कामदार, एजाज ढेबर, पंकज शर्मा, आकाश तिवारी, प्रमोद तिवारी, कन्हैया अग्रवाल, अजय साहू, मोहम्मद असलम, कमलाकांत शुक्ला, शिव सिंह ठाकुर, जसबीर ढिल्लों और शारिक रईस खान शामिल थे। वहीं ग्रामीण की बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिला प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, पूर्व विधायक अनीता शर्मा, शैलेश नितिन त्रिवेदी, महापौर नंदलाल देवांगन, पूर्व जिला अध्यक्ष नारायण कुर्रे एवं ऊधो राम वर्मा तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सचिव पल्लवी सिंह और दिलीप सिंह चौहान सहित सहित ब्लॉक अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

बिलासपुर, सोमवार 26 अक्टूबर 2026 | कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रतिपदा। वर्ष : 26, अंक : 216। पृष्ठ : 10+6= 16 मूल्य : 4.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



12 किमी का सफर तय करने में लग रहे 6 से 7 घंटे, ट्रैक्टर, बैलगाड़ियों और पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे श्रद्धालु





उदंती के बीहड़ चौकशील पहाड़ी पर उतरी दूधिया रोशनी, सजा अनूठा मेला, उमड़े हजारों लोग

शेख हसन खान ⏭ मैनपुर

बस्तर से ओडिशा तक जुटी भीड़ गढ़िया माता के दरबार में पहुंचे देवी-देवताओं के ध्वज-पताका और डांग-डोली

उदंती अभ्यारण्य के घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल चौकशील में इस साल भी शरद पूर्णिमा मेले में हजारों आदिवासी जुटे। अपनी अनोखी परंपरा के लिए प्रसिद्ध शरद पूर्णिमा का यह मेला जमीन की सतह से लगभग 1300 मीटर की ऊंचाई पर विशाल चट्टानी मैदान पर ⏭शेष पेज 6 पर

अलग खबर



बैगा-सिराहों की गोष्ठी और ओडिशा नृत्य की धूम

खुले आसमान के नीचे और चांद की शीतल छाया में बैगा, सिरहा, पुजारी और झांकरों ने विचार गोष्ठी आयोजित की। इसमें लोगों को देव-पूजा पद्धति और आदिवासी संस्कृति के इतिहास से अवगत कराया गया। वहीं, रातभर चले सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को बांधे रखा। ओडिशा से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और ओड़िया नाटकों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया, जिससे क्षेत्र में दीपावली से भी पहले का उत्सव जैसा माहौल बन गया।



12 किलोमीटर के सफर में लगा लंबा जाम

तहसील मुख्यालय मैनपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर उदंती अभ्यारण्य के भीतर स्थित इस पहाड़ी तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों ने श्रमदान कर कच्ची सड़क का निर्माण किया है। मैनपुर-देवभोग नेशनल हाईवे से बम्हनीझोला और वहां से जंगल के भीतर पहाड़ी तक की 12 किलोमीटर की दूरी तय करने में लोगों को 6 से 7 घंटे का समय लग रहा है। इसके बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। सैकड़ों ट्रैक्टर, जीप, टैक्सी, कार, मोटरसाइकिल, पारंपरिक बैलगाड़ियां और पैदल चल रहे हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ से पूरा मार्ग भरा हुआ है। क्षेत्र के लोगों के लिए यह मेला किसी बड़े महापर्व से कम नहीं है, जिसमें शामिल होने के लिए हर साल श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

Ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

खबर संक्षेप

छात्रा की मौत मामले में शिक्षकों से पूछताछ

नई दिल्ली। स्कूल के परिसर में 12वीं कक्षा की छात्रा की संदिग्ध



परिस्थितियों में जलकर हुई मौत के मामले में पुलिस ने शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों से पूछताछ की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ प्रेम संबंध टूटने के संदेह समेत व्यक्तिगत कारणों की भी जांच कर रही है।

किराया देने के भी नहीं थे पैसे छाप डाले 37 लाख के नोट!

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक किराएदार ने बंद कमरे के भीतर ही नकली नोट छापने का पूरा सेटअप लगा रखा था। मकान मालिक के साथ किराए के पैसों को लेकर हुए विवाद और कमरे का ताला तोड़े जाने के बाद इस पूरे फर्जी नोट रैकेट का खुलासा हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जब कमरे की तलाशी ली, तो अधिकारियों के होश उड़ गए।

महिला के गहने लूटकर हत्या, चार गिरफ्तार

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू जिले में गहने लूटने के बाद 30



वर्षीय महिला की हत्या करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता का 20 अक्टूबर की रात उस समय अपहरण कर लिया गया था, जब वह दुर्गा पूजा पंडाल से घर लौट रही थी। बाद में महिला का शव नवाबाजार थाना क्षेत्र में उसके घर के पास एक धान के खेत से बरामद किया गया।

साढ़े चार करोड़ का चरस और मेफेड्रोन जब्त

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अलग-अलग अभियानों के तहत साढ़े चार करोड़ रुपये मूल्य का चरस और मेफेड्रोन जब्त किया है। हत्या के एक मामले में शामिल तीन आदतन अपराधियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा की इकाई-9 ने शनिवार को बांद्रा पश्चिम स्थित एक आवास पर छापा मारा। इस दौरान 1.5 करोड़ रुपये मूल्य का 1.5 किलोग्राम चरस जब्त किया गया।

बैंकिंग सिस्टम को मिला नया 'बैकअप', पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

आपदा हो या साइबर हमला, अब नहीं रुकेगी देश की डिजिटल बैंकिंग

भुवनेश्वर के पास इंफो वैली-2 में 18.55 एकड़ में बना डेटा सेंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भुवनेश्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भुवनेश्वर में 169 करोड़ रुपए की लागत से बने आरबीआई के नवनिर्मित डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। इस दौरान, पीएम मोदी ने कहा कि विकास हमारी प्राथमिकता है। बताया जा रहा है कि किसी प्राकृतिक आपदा, तबाही, हमले में मुंबई वाला डेटा सेंटर प्रभावित होता है तो ओडिशा सेंटर से बैकअप जारी रहेगा, जिससे देश के पूरे बैंकिंग और पेमेंट सिस्टम में रुकावट नहीं आएगी।

भुवनेश्वर के पास इंफो वैली-2 में 18.55 एकड़ में बना परिसर नवी मुंबई के आरबीआई के मुख्य डेटा सेंटर के डिजास्टर रिकवरी बैकअप के रूप में काम करेगा। 169 करोड़ रुपए की लागत से बने डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि युद्ध अब के वल पारंपरिक तरीकों से नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को निशाना बनाकर भी लड़े जा रहे हैं। उन्होंने भारत की बैंकिंग प्रणाली को साइबर आतंकवादियों से बचाने की जरूरत पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि इन सुविधाओं से ओडिशा और देश के लोगों को काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा, हमारे लिए विकास का मतलब भारत की संतुलित वृद्धि और गांवों तथा छोटे शहरों के लिए अवसर उपलब्ध कराना है।

खास खबर

गुड गवर्नेंस का मॉडल लेकर चल रही सरकार

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम प्रो-पीपल, प्रो-एक्टिव, गुड गवर्नेंस का मॉडल लेकर चले। हमारे लिए विकास का मतलब है- भारत का संतुलित विकास, गांवों को भी अवसर, छोटे शहरों को भी अवसर। हमारा लक्ष्य है दूर-दराज के क्षेत्रों को भी बेहतर कनेक्टिविटी देना, गरीब परिवारों को भी सम्मान के साथ जीवन जीने की सुविधाएं देना, और हर नागरिक को निरंतर यह विश्वास देना कि विकास की यात्रा में वह पीछे नहीं छूटेगा।

मुंबई का डेटा सेंटर ठप हुआ तो ओडिशा संभालेगा देश की बैंकिंग कमान



टायर-4 सर्टिफिकेशन से लैस है सेंटर

इस डेटा सेंटर को अपटाइम इंस्टीट्यूट का टायर-4 सर्टिफिकेशन मिला है। यह डेटा सेंटर के लिए सबसे ऊंची टियर कैटेगरी है। इसका मतलब है कि यहां बिजली, कूलिंग और दूसरे जरूरी सिस्टम में बैकअप और खराबी से निपटने के लिए मजबूत व्यवस्था की गई है। टायर-4 डेटा सेंटर सर्टिफिकेशन डेटा सेंटर उद्योग में उपलब्धता और विश्वसनीयता का सर्वोच्च स्तर है। इसका सीधा मतलब यह है कि यह सेंटर बिना किसी रुकावट के लगातार काम करने के लिए डिजाइन किया गया है।



बैंकिंग सिस्टम को मिलेगा मजबूत सपोर्ट

आज के समय में ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में इन सेवाओं को चलाने के लिए मजबूत टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है। डेटा सेंटर में बड़े सर्वर और नेटवर्किंग सिस्टम के जरिए डेटा को स्टोर और प्रोसेस किया जाता है। आरबीआई का यह नया सेंटर जरूरी डिजिटल सिस्टम को सपोर्ट करेगा। साथ ही, किसी तकनीकी खराबी या दूसरी परेशानी के दौरान सेवाओं को जारी रखने और सिस्टम को दोबारा चालू करने की क्षमता बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है।

डाक-सेवक भर्ती को लेकर कैट के फैसले पर लगाई मुहर



हाईकोर्ट ने खारिज की केंद्र की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने ग्रामीण डाक सेवक की नियुक्ति के लिए शैक्षणिक योग्यता से जुड़े मामले में केंद्र सरकार की अपील खारिज कर दी है। डिवीजन बेंच ने इस मामले में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेश को सही ठहराया है। साथ ही कहा है कि जिस अभ्यर्थी को 20 दिसंबर 2012 को अंकसूची और प्रमाणपत्र जारी किया गया था, उसे केवल संबंधित बोर्ड की मान्यता निलंबित होने के आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता। दरअसल, हेमचरण साहू, उत्तरा कुमार समेत अन्य का चयन ग्रामीण डाक सेवक के पद पर हुआ था। चयन के लिए 10वीं कक्षा उत्तीर्ण होना और गणित व अंग्रेजी विषयों की जानकारी अनिवार्य थी। संबंधित अभ्यर्थियों ने छत्तीसगढ़ बोर्ड ऑफ स्कूल एंड टेक्निकल ⏭शेष पेज 6 पर

फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में की अपील

केंद्र सरकार और चीफ पोस्ट मास्टर ने कैट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। इसमें बताया गया कि अभ्यर्थियों ने जिस बोर्ड की अंकसूची और प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है, उसे केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मान्यता नहीं दी है। वहीं, उस बोर्ड की मान्यता भी निलंबित कर दी गई है। याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों की तरफ से कहा गया कि उन्हें प्रमाणपत्र और अंकसूची 20 दिसंबर 2012 को जारी की गई थी।

शराब से दो की मौत पर खुलासा, चपेट में आ गया पार्षद

शराब में सुहागा मिलाकर एक को मारने की थी साजिश



हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर- चांपा

पामगढ़ में शराब से दो मौत का खुलासा हो गया है। पैसे के लेनदेन के विवाद में शराब में सुहागा मिलाकर वारदात को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी राजा खरे का कहना है कि वह पार्षद रामखिलावन जांगड़े को मारना नहीं चाहता था, लेकिन उसने भी उसी बोतल की शराब पी ली, जिससे उसकी भी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने साइबर तकनीक का सहारा लेने के साथ ही घटना स्थल का रिक्रिएशन भी किया। आरोपी की निशानदेही पर शराब की खाली बोतल और सुहागा की पुड़िया घटना स्थल के पास से जब्त की गई है। नगर पंचायत पामगढ़ के पार्षद रामखिलावन जांगड़े और निजी क्लिनिक संचालक जोहित खरे की 23 अक्टूबर की रात शराब पीने के बाद तबियत बिगड़ी। दोनों को ⏭शेष पेज 6 पर

हरिभूमि फॉलोअप



एक को मारने का था प्लान

आरोपी राजा खरे ने पुलिस को बताया कि उसने मुकेश कश्यप से शराब की 3 बोतल खरीदवाई थी। मुकेश कश्यप को थाना लाकर पूछताछ करने पर पता चला कि उसने शराब खरीद कर राजा खरे को दिया था, दोनों ने मिलकर 1 क्वाटर शराब को पी। राजा खरे ने जोहित खरे और रामखिलावन जांगड़े को हेलीपैड के पास फोन कर बुलाया था जिनके आने पर राजा खरे ने 1 क्वाटर शराब में अपने जेब में रखे पुड़िया से निकाल कर सुहागा मिलाया। पुलिस की गाड़ी आते देख मुकेश कश्यप भाग गया। इसके बाद कुछ दूर जाकर पार्षद रामखिलावन जांगड़े और निजी क्लीनिक संचालक जोहित खरे ने शराब पी ली।

प्लानिंग कर दिया वारदात को अंजाम

पुलिस की पूछताछ में आरोपी राजा खरे ने बताया कि उसने जोहित खरे से उधारी में अलग-अलग किस्त में 10 दस लाख रुपए लिया था। ट्रेडिंग में नुकसान हो रहा था। जोहित खरे अपने पैसे की वापसी के लिए लगातार दबाव बना रहा था, जिससे मानसिक रूप से अत्याधिक रूप से परेशान था। उसने उधारी चुकाने से मुक्ति पाने के लिए जोहित खरे को किसी तरह से जहर देकर हत्या करने का प्लान बनाया।

बैलगाड़ी दौड़....



चिक्कमगलुरु। रविवार को कर्नाटक के चिक्कमगलुरु के पास राज्य स्तरीय बैलगाड़ी दौड़ में भाग लेते प्रतिभागी।

राहुल गांधी का 'चलो दिल्ली' आह्वान

'इंडिया' की 1 नवंबर को 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं और 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर केंद्र सरकार तथा चुनावी प्रक्रिया पर अपना हमला तेज कर दिया है। उन्होंने 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली 'वोट बचाओ, देश बचाओ' जन मार्च और महारैली में शामिल होने के लिए देशवासियों से 'चलो दिल्ली' का आह्वान किया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों से नाम हटाए गए, नियम-कानूनों का उल्लंघन हुआ और सवाल उठाने वालों पर लाठियां चलाई गईं।



भाजपा पर तंज, प्रचार के लिए जताया धन्यवाद

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगियों पर भी तंज कसा। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों का धन्यवाद, जो इस कार्यक्रम का जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले सात दिनों तक भी वे इसी उत्साह और लगन को बनाए रखें।

140 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, 27 से बदलने लगेगा मौसम

तट की ओर तूफान 'अर्नब', पांच राज्यों में भारी बारिश, छत्तीसगढ़ में भी दिखाएगा रौद्र रूप!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी के पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्व में बना लो प्रेशर एरिया रविवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया। यह 28 अक्टूबर को आंध्रप्रदेश के तट से टकराएगा। तूफान को अर्नब नाम दिया गया है। इसके असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी में भारी बारिश हो रही है। इसका प्रचंड असर ओडिशा और आंध्र ⏭शेष पेज 6 पर

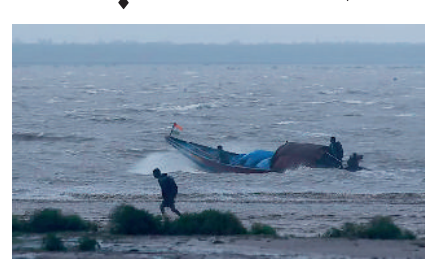

140 तक पहुंच सकती है हवा की रफ्तार

मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम लगातार हवा की गति 115-125 किमी प्रति घंटा होगी, जो 28 अक्टूबर की सुबह तक 140 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। हालांकि छत्तीसगढ़ में रफ्तार कम हो सकती है।

चार दिनों तक भारी बारिश का अनुमान

आंध्र प्रदेश में 26 से 29 अक्टूबर तक भारी बारिश का अनुमान है। ओडिशा के गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिले में 28 और 29 अक्टूबर को सभी स्कूल-कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश दिए गए हैं। 26 अक्टूबर को केरलम में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। तमिलनाडु-पुडुचेरी में ऑरेंज अलर्ट है। कर्नाटक, रायलसीमा और आंध्र प्रदेश में बारिश का यलो अलर्ट है। यहां 50किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। 27 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। ओडिशा में ऑरेंज अलर्ट है। छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरलम, कर्नाटक और रायलसीमा में बारिश का यलो अलर्ट है।

छग में सरगुजा छोड़ सभी संभागों में बरसेंगे बादल तीन दिन रहेगा असर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सक्रिय होने वाले चक्रवाती तूफान का असर सरगुजा संभाग को छोड़कर प्रदेश के अन्य हिस्सों में होने की संभावना है। 27 से 29 अक्टूबर तक बस्तर और उससे लेकर रायपुर, दुर्ग संभाग के जिलों में भारी से अतिभारी वर्षा हो सकती है। इस अवधि में हवा की गति में 20 से 30 किमी. प्रतिघंटे की हो सकती है। तूफान का प्रभाव राज्यभर में बादलों के रूप में होगा। मौसम विशेषज्ञों ने अनुमान जताया है कि सक्रिय चक्रवाती तूफान का असर छत्तीसगढ़ में भी होगा। 27 अक्टूबर ⏭शेष पेज 6 पर

चिंतन

डिजिटल दुनिया की बुनियादी कमजोरी उजागर, सुरक्षा जरूरी

डिजिटल क्रांति की चमक के पीछे छिपे गंभीर खतरे को नजरअंदाज करना अब भारी पड़ सकता है। जिस इंटरनेट को आधुनिक दुनिया की जीवनरेखा माना जाता है, उसकी बुनियाद में ही गंभीर कमजोरियां मौजूद हों तो सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है। प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पीएचपी (हाइपरटेक्स्ट प्रीप्रोसेसर) में सामने आई खामी ने इसी खतरे की ओर ध्यान खींचा है। दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक वेबसाइटों की बुनियाद पीएचपी पर होने का दावा बताता है कि मामला किसी एक तकनीक तक सीमित नहीं है। यदि ऐसी खामियों का समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो वेबसाइटों, डिजिटल कारोबार और संवेदनशील जानकारियों पर साइबर हमलों का जोखिम बढ़ सकता है। आज दुनिया का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर है। बैंकिंग से लेकर खरीदारी तक, सरकारी सेवाओं से लेकर समाचारों तक, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी डिजिटल प्रणालियों के सहारे चल रही है, लेकिन सवाल यह है कि जिस व्यवस्था पर करोड़ों लोग भरोसा कर रहे हैं, उसकी सुरक्षा की गारंटी कितनी मजबूत है? पीएचपी का इस्तेमाल लॉगिन व्यवस्था, ऑनलाइन दुकानों, डाटाबेस और समाचार वेबसाइटों के संचालन में होता है। इसकी किसी गंभीर खामी का फायदा उठाकर हमलावर वेबसाइटों के सर्वर तक पहुंचने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में खतरा केवल तकनीकी गड़बड़ी का नहीं, बल्कि निजी जानकारी, कारोबारी गतिविधियों और डिजिटल सेवाओं में लोगों के भरोसे का भी है। इनका लाभ दुनिया भर की बड़ी कंपनियां और संस्थान भी उठाते हैं, मगर सुरक्षा सुधारों के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाने की जिम्मेदारी अक्सर स्पष्ट नहीं होती। एआई की मदद से शोधकर्ताओं द्वारा प्रोग्रामिंग कोड में छिपी खामियों का पता लगाना तकनीकी प्रगति का सकारात्मक पक्ष है। मगर यही क्षमता साइबर अपराधियों के हाथ लग जाए तो खतरे का दायरा भी बढ़ सकता है। इसलिए एआई को लेकर उत्साह के साथ सावधानी भी जरूरी है। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उसके दुरुपयोग को रोकने की तैयारी भी उतनी ही पुख्ता करनी होगी। केवल खामी सामने आने के बाद सक्रिय होना पर्याप्त नहीं है; संभावित कमजोरियों की पहचान और रोकथाम लगातार चलने वाली प्रक्रिया होनी चाहिए। अब जिम्मेदारी तय करने का समय है। वेबसाइट संचालकों और कंपनियों को सुरक्षा अद्यतन तत्काल लागू करने, पुराने सॉफ्टवेयर की पहचान करने, नियमित सुरक्षा परीक्षण कराने और साइबर हमले की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था बनाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। सरकारों और साइबर सुरक्षा एजेंसियों को भी संस्थानों के बीच सूचना साझा करने तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करना होगा। आम उपयोगकर्ताओं के लिए भी सतर्कता जरूरी है। अनजान वेबसाइटों पर संवेदनशील जानकारी देने से बचना, संदिग्ध लिंक नहीं खोलना और अपने उपकरणों तथा ब्राउजर को अद्यतन रखना समझदारी है। हालांकि, सर्वर से जुड़ी खामी का अर्थ यह नहीं कि हर व्यक्ति का मोबाइल या कंप्यूटर सीधे प्रभावित हो गया है। सच यह है कि डिजिटल दुनिया में सुविधा की रफ्तार सुरक्षा की तैयारी से आगे निकल गई, तो इसकी कीमत आम नागरिकों को अपनी निजता, धन और भरोसे से चुकानी पड़ सकती है। तकनीकी विकास का पैमाना केवल यह नहीं होना चाहिए कि कितनी सेवाएं ऑनलाइन आ गईं, बल्कि यह भी हो कि वे कितनी सुरक्षित हैं। डिजिटल क्रांति की सफलता वेबसाइटों की संख्या से नहीं, लोगों के भरोसे से तय होगी। सुरक्षा को बाद की मरम्मत नहीं, पहली शर्त बनाना ही समय की सबसे बड़ी मांग है।

आखिर! इन आंदोलनों में 'गांधी' कहां हैं?



विचार

डॉ. संजय शुक्ला

भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में इन दिनों सरकार विरोधी आंदोलनों की सरगर्मी है। पिछले दिनों फ्रांस, इटली, अल्बानिया , बेल्जियम, स्पेन और पुर्तगाल और सहित अनेक यूरोपीय देशों में युवा ईंधन की बढ़ती कीमतों, खस्ताहाल स्कूली शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं में गिरावट को लेकर सड़कों पर उतर आए थे। प्रदर्शनकारी छात्रों और युवाओं ने इन देशों के प्रमुख शहरों में जमकर तोड़फोड़, आगजनी और लूटपाट किया। दरअसल छात्रों और युवाओं के सरकार विरोधी प्रदर्शनों की शुरुआत श्रीलंका , बांग्लादेश, नेपाल, इंडोनेशिया और पेरु से हुई थी जिसे ' जेन- जी प्रोटेस्ट ' नाम दिया गया। डिजिटल मीडिया के जरिए वैचारिक क्रांति करने वाली यह पीढ़ी अपने देश के सरकारों के भ्रष्टाचार, भाई - भतीजावाद, महंगाई , बेरोजगारी और असमानता के खिलाफ लगातार अपना आक्रोश जताते रहे हैं।

श्रीलंका सहित अन्य देशों में 'जेन -जी ' का सरकार के खिलाफ जब यह गुस्सा सड़कों पर उतरा तो उसने अपने ही देश के संसद, सुप्रीम कोर्ट, बैंक और सरकारी भवनों पर कब्जा कर इसे आग के हवाले कर दिया। इस प्रोटेस्ट के बाद सभी मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों को इस्तीफा देना पड़ा या अन्य देशों में शरण लेना पड़ा। बहरहाल अब बात भारत की करें तो इस साल के जून-जुलाई में नीट - यूजी पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर डिजिटल मीडिया पर बनी कॉकरोच जनता पार्टी 'सीजेपी' का जबरदस्त प्रोटेस्ट हुआ।इस प्रदर्शन में प्रोटेस्टर्स हाथ में तिरंगा, महात्मा गांधी और भगतसिंह के प्लेकार्ड थामे अपने प्रदर्शन को गांधीवादी आंदोलन का नाम देते नजर आए । यह अपनी तरह का पहला आंदोलन था जिसमें जहां एक ओर देश के सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक गांधी के अमोघ अस्त्र 'अनशन ' करते देखे गए तो दूसरी ओर इसी प्रदर्शन में शामिल प्रोटेस्टर्स, यूट्यूबर्स और इन्फ्लूएंसर्स गांधी के 'वाणी के अनुशासन' का व्रत तोड़ते दिखाई दिए। बेशक देश के छात्र और युवा इन दिनों भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, परीक्षा में अनियमितताओं , महंगाई, हिंसा और अन्याय जैसे मुद्दों से जूझ रहे हैं। यह भी सच है कि देश के संविधान में आम नागरिकों को सत्ता के खिलाफ असहमति की अभिव्यक्ति और आंदोलन का मौलिक अधिकार है लेकिन इसकी भी एक लक्ष्मण रेखा है।

गौरतलब है कि प्रोटेस्ट के मंच पर गांधी और भगत सिंह के तस्वीरें रखकर हो रहे सीजेपी और वामपंथी छात्र संगठन ' आईसा' के इस विरोध- प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया में कुछ प्रदर्शनकारियों जिसमें युवतियां भी शामिल थीं के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए वीडियो और पोस्टर वायरल हुआ। प्रोटेस्ट के आखिरी दिन 20 जुलाई को 'संसद मार्च ' के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जमकर झड़प और सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। 'जेन - जी ' के इस प्रोटेस्ट को गांधीवादी ठहराने वालों से सवाल यह कि क्या महात्मा गांधी ने असहमति की अभिव्यक्ति के लिए हिंसा और आगजनी को उचित ठहराया था? क्या कभी गांधी ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफत के लिए सड़कों पर अराजकता का समर्थन किया था? बेशक नही।



महात्मा गांधी युवाओं को राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त वाहक मानते थे लेकिन वे हमेशा ध्यान रखते थे कि युवा हिंसा की राह पर न जाएं बल्कि वे वाणी के अनुशासन को सबसे बड़ा व्रत मानते थे। देश के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गांधी की अगुवाई में हुए असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, दांडी मार्च और भारत छोड़ो आंदोलन में छात्रों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया था। लिहाजा गांधी के नाम पर अनशन और प्रदर्शन करने वालों को चिंतन करना होगा कि प्रतिरोध की आवाज में आखिर! गांधी का संदेश कहां विलुप्त हो गया?

इस बीच एक राष्ट्रीय अखबार में मुख्य चुनाव आयुक्त 'सीईसी' और अन्य दोनों चुनाव आयुक्तों के बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 'एसआईआर' को लेकर कथित मतभेद और मनमानी की रिपोर्ट छपने के बाद देश में एक बार फिर से विभिन्न पार्टियों और संगठनों के रैलियों और विरोध प्रदर्शनों की बाढ़ आ गई है। विपक्षी राजनीतिक दल से लेकर छात्र - युवा, एक्टिविस्ट, किसान और सामाजिक कार्यकर्ता 'सीईसी' ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन करने वाले लोग जहां इन विरोध - प्रदर्शनों को महात्मा गांधी के /"सत्याग्रह/" का नाम दे रहें तो कुछ लोग इसे ' गांधीवादी आंदोलन ' बताने में जुटे हैं। विरोध - प्रदर्शनों के इस दौर में कुछ आंदोलनकारी महात्मा गांधी की समाधि ' राजघाट ' पर भी बापू के भजन गाते और नतमस्तक होते दिखाई दे रहे हैं। भारतीय यूट्यूबर और एक्टिविस्ट ध्रुव राठी अपने ही देश के अंदरूनी मुद्दे को लेकर लंदन के पार्लियामेंट स्क्वेयर में महात्मा गांधी के प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन करते देखे गए।देश के विभिन्न शहरों में चल रहे आंदोलनों में प्रदर्शनकारी हाथ में गांधी के प्लेकार्ड या बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के पोस्टर और संविधान की किताब पकड़े दिखाई दे रहे हैं। बहरहाल अब बात गांधी के नाम पर हो रहे हालिया सत्याग्रह और आंदोलनों पर गौर करें तो हमें इतिहास पर झांकना होगा। महात्मा गांधी के अगुवाई में हुए असहयोग आंदोलन के दौरान 4 फरवरी 1922 में चौरी चौरा में प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस चौकी में आगजनी करने और इस घटना में 22 पुलिसकर्मियों और 3 नागरिकों के मारे जाने पर गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया था। इस लिहाज से सीजेपी के प्रोटेस्ट को गांधीवादी आंदोलन बताने वालों को एक बार फिर से गांधी को पढ़ने और समझने की जरूरत है।

विचारणीय है कि इन महापुरुषों के अगुवाई में हुए विरोध - प्रदर्शनों में उग्रता और हिंसा की बात छोड़िए कभी भी असभ्य या अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं किया। भले ही आंदोलनों में उग्र नारों का जरूर उपयोग हुआ लेकिन आंदोलनकारियों के व्यवहार की मर्यादा रही है। इक्कीसवीं सदी के भारत में भी 2011 में सुप्रसिद्ध गांधीवादी अन्ना हजारे के अगुवाई में भ्रष्टाचार के खिलाफ जनलोकपाल विधेयक की मांग को लेकर ' अन्ना आंदोलन ' तथा 2012 में दिल्ली के पैरामेडिकल छात्रा निर्भया के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के विरोध में ' निर्भया आंदोलन ' हुआ था। इन दोनों आंदोलनों को छात्रों और युवाओं ने खूब ताकत दिया तथा सोशल मीडिया के जरिए आंदोलन को व्यापक फैलाव मिला। दरअसल यह पहला मौका था जब देश के राजनेताओं को सोशल मीडिया के ताकत और सार्थकता का अहसास हुआ।

बहरहाल अब हालिया विरोध - प्रदर्शनों को 'सत्याग्रह' की कसौटी पर परखें तो यह गांधी के विचार और दृढ़ता से कोसों दूर हैं। महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अर्थ ' सत्य के लिए आग्रह ' बताया था जिसमें अहिंसक प्रतिरोध और सविनय अवज्ञा का सिद्धांत निहित है। महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का उद्देश्य विरोधी को शत्रु नहीं बल्कि मित्र और भाई मानते हुए अन्याय करने वाले व्यक्ति या व्यवस्था का हृदय परिवर्तन बिना किसी हिंसा या द्वेष के करना बताया है। गांधी के सत्याग्रह में प्रदर्शनकारियों के लिए अहिंसा, न्याय के लिए सच्चाई के साथ खड़ा रहना, अन्याय का सामना करते हुए स्वयं को को कष्ट सहने का भाव और निडरता बताया गया है। वर्तमान आंदोलनों को देखें तो राजनीतिक दलों से लेकर ' जेन- जी प्रोटेस्ट' सहित सभी विरोध प्रदर्शन गांधी के विचारों और तौर-तरीकों से बहुत दूर हैं। महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन में अनेक सत्याग्रह किया जिसमें उन्होंने अहिंसा के बलबूते अंग्रेजी हुकूमत को अपने अन्यायपूर्ण कदम वापस लौटाने को मजबूर कर दिया। गांधी में सत्य और अहिंसा के प्रति इतना आत्मविश्वास था कि उन्होंने कभी भी ब्रिटिश हुकूमत से माफी नहीं मांगी बल्कि कानून तोड़ने पर जुर्म कबूल कर जेल जाना मंजूर किया। इसके उलट गांधी के नाम पर विरोध प्रदर्शन करने वाले संगठनों के नेता आए - दिन पुलिस के सामने बांड भरकर पुलिस हिरासत या जेल से रिहा हो रहे हैं या माफीनामा लिख रहे हैं।

अलबत्ता महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के बलबूते संघर्ष के जिजीविषा का परिणाम था कि महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने उनके बारे में कहा था कि /"आने वाली नस्लें शायद मुश्किल से ही विश्वास करेंगी कि हाड़-मांस से बना कोई ऐसा व्यक्ति भी धरती पर चला - फिरा था।' गांधी जहां विरोध - प्रदर्शनों में अहिंसा और मर्यादा के पक्षधर थे वहीं उनका मानना था कि सरकार का कर्तव्य होता है कि वह जनता की आवाज सुने, संवाद करे और अन्यायपूर्ण कानून को बदलें। लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले देश में सत्ता के खिलाफ असहमति और आंदोलन एक स्वाभाविक प्रक्रिया है लेकिन यह अहिंसक और मर्यादित होना चाहिए। इसी तरह संवाद भी लोकतंत्र की आत्मा है लिहाजा सरकारों को भी गांधी के विचारों के अनुरूप जनता के साथ संवाद के दरवाजे हमेशा खुला रखना चाहिए। इतिहास गवाह है कि भारत में जितने भी आंदोलन और विरोध - प्रदर्शन हुए हैं उनका समाधान सिर्फ संवाद और अहिंसा के जरिए ही संभव हुआ है लिहाजा आज सभी पक्षों को गांधी के विचारधारा को आत्मसात करने की जरूरत है।

सारा संसार



अगर आप द्वारकादीश मंदिर जा रहे हैं, तो यहां के इस्कॉन मंदिर के दर्शन भी जरूर करें। भगवान कृष्ण और देवी राधा की आवास मूर्तियों को समृद्ध परिधानों में लिपटा हुआ और फूलों से अलंकृत किया गया, यह पूरी तरह से पत्थर से निर्मित मंदिर है। इसकी भव्यता देखते ही बनती है।

समत्वं योग उच्यते

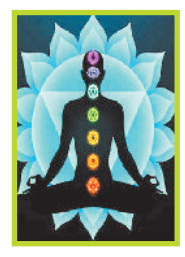

संकलित

दर्शन

जिस मनुष्य का जीवन योगयुक्त है, उसे जीवन चलाने के कर्म बंधन में बांधने वाले नहीं होते। जैसे कमल कीचड़ में रहकर भी कमल ही रहता है। युक्त और अयुक्त का अर्थ योगयुक्त और योगअयुक्त से है अर्थात योग है समत्व बुद्धि। 'समत्वं योग उच्यते'। समत्व बुद्धि से तात्पर्य सोच-विचार कर किए गए कर्म को योगयुक्त कर्म कहते हैं। समत्व बुद्धि से अर्थ सुख-दुख, विजय-पराजय, हर्ष-शोक, मान-अपमान इत्यादि द्वंद्वों में विचलित हुए बिना एक समान शांत चित्त रहे- वही कर्मयोगी कहलाता है। स्थितप्रज्ञ -जिस काल में यह पुरुष मन में स्थित संपूर्ण कामनाओं को त्याग देता है, उस काल में आत्मा से ही आत्मा में संतुष्ट हुआ, जैसे जहाज को चलाने वाले के पास ठीक दिशा बताने वाला कम्पास या यंत्र होना चाहिए, उसी तरह श्रेष्ठ जीवन जीने के तथा मोक्ष के अभिलाषी व्यक्ति के पास 'योग' होना चाहिए। योग नहीं तो जीवन दिशाहीन है। यही बात कृष्ण ने गीता में स्थितप्रज्ञ के विषय में कही है। बुद्धि को निर्मल और तीव्र करने के लिए योग ही एक मात्र साधन है। योग स्थित व्यक्ति साधारण मनुष्यों से विलक्षण देखने लगता है। जिस व्यक्ति के भीतर जीवन में सत्य की किरणें फैल जाती हैं, सत्य का सूर्य जगता है और जिसकी आंतरिक चेतना जागृति को, पूर्ण जागृति को उपलब्ध हो जाती है, उसका जीवन स्पांटेनियस हो जाता है, सहज हो जाता है, सहज-स्फूर्त हो जाता है। उसके जीवन में किसी ढांचे को खोजना मुश्किल है। उसके जीवन में कोई बंधी-बंधाई रेखाएं नहीं होतीं।

श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद करता है

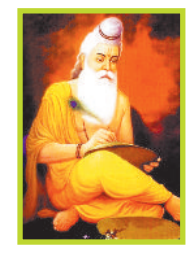

संकलित

प्रेरणा

महर्षि वेदव्यास ने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। उन्होंने उससे पूछा- हे क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? उनके प्रश्न ने कीड़े को चोट पहुंचाई और वह बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं। यहां क्षुद्र कौन है और महान कौन? क्या इस प्रश्न और उसके उत्तर की सही-सही परिभाषा संभव है? कीड़े की बात ने महर्षि को निरुत्तर कर दिया। फिर भी उन्होंने उससे पूछा- अच्छा यह बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? कीड़े ने कहा- मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे, पीछे से कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को चौंकाया। वे बोले, तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और बेहतर शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि, मैं तो इस कीट योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, परंतु ऐसे प्राणी असंख्य हैं, जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझसे भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। कीड़े की बातों में महर्षि को सत्यता नजर आई। वे सोचने लगे कि वाकई जो मानव जीवन पाकर भी देहासक्ति और अहंकार से बंधा है, जो ज्ञान पाने की क्षमता पाकर भी ज्ञान से विमुख है, वह कीड़े से भी बदतर है। महर्षि ने कीड़े से कहा- नन्हें जीव, चलो हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़ा बोला- किंतु मुनिवर श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद कर देता है। कीड़े के कथन ने महर्षि को ज्ञान का नया संदेश दिया।

मन का मौन

डॉ. बलवीर आचार्य



अभ्यास और वैराग्य का पथ

मानसिक एकाग्रता, आत्मिक शान्ति तथा अन्तर्मुखी जीवन के लिए मन का मौन अत्यन्त आवश्यक है। सामान्यतः मौन का अर्थ केवल वाणी का संयम समझा जाता है, किन्तु योग और अध्यात्म की दृष्टि से वास्तविक मौन मन की चंचल वृत्तियों का शान्त होना है। मुख से शब्दों के उच्चारण को रोक देना अपेक्षाकृत सरल है, परन्तु मन में निरन्तर उठने वाले विचारों, कल्पनाओं और संकल्प-विकल्पों के प्रवाह को नियंत्रित करना एक गम्भीर साधना का विषय है। मन की चंचलता और नियन्त्रण का उपाय : मन स्वभाव से ही चंचल, प्रमाथी और बलवान है। इसी यथार्थ को स्वीकार करते हुए अर्जुन ने श्रीकृष्णा से कहा था कि मन को वश में करना वायु को रोकने के समान कठिन है। इसके उत्तर में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि मन निस्सन्देह चंचल है, किन्तु 'अभ्यास' और 'वैराग्य' के द्वारा इसे नियंत्रित किया जा सकता है (गीता 6.35)। आगे वे स्पष्ट करते हैं कि असंयमित मन वाले व्यक्ति के लिए मानसिक शान्ति प्राप्त करना कठिन है, किन्तु जिसने अपने मन को साध लिया है, वह निरन्तर पुरुषार्थ द्वारा उसे अवश्य प्राप्त कर लेता है (गीता 6.36)। महर्षि पतञ्जलि ने भी योगदर्शन में इसी सत्य का प्रतिपादन किया है। समाधि पाद के सूत्र 1.12 में वे कहते हैं- 'अभ्यासवैराग्याभ्यां तन्निरोधः' अर्थात मन के व्यापार का निरोध अभ्यास और वैराग्य से ही सम्भव है। निरन्तर सजगता, ध्यान और आत्मनिरीक्षण का अभ्यास मन को स्थिरता प्रदान करता है, जबकि विषयों के प्रति अनासक्ति और मोह का क्षय वैराग्य को विकसित करता है। इन दोनों के समन्वय से मन का कोलाहल शान्त होने लगता है और साधक आन्तरिक मौन का अनुभव करता है। आन्तरिक मौन और साक्षीभाव : मन का मौन विचारों के पूर्ण अभाव का नाम नहीं है, अपितु विचारों से असंग (अलिप्त) रहने की क्षमता का नाम है। इस अवस्था में साधक अपने भीतर उठने वाली मानसिक तरंगों का केवल साक्षी बना रहता है; वह उन्हें देखता है, किन्तु उनसे अपना तादात्म्य (जुड़ाव) स्थापित नहीं करता। यही साक्षीभाव मानसिक सन्तुलन, भावनात्मक परिपक्वता और आत्मिक प्रसन्नता का मूल आधार बनता है। वास्तव में मन ही हमारी इंद्रियों और कर्मों का नियामक है। मन की स्थिति के अनुसार ही व्यक्ति का व्यवहार, निर्णय और जीवन-दृष्टि निर्मित होती है। जब मन वासनाओं, राग-द्वेष और असंख्य इच्छाओं से व्याकुल रहता है, तब जीवन में तनाव, अशान्ति और असन्तोष बढ़ते हैं। इसके विपरीत, जब मन अभ्यास और वैराग्य के द्वारा संयमित हो जाता है, तब भीतर स्थिरता, विवेक और सहज आनन्द का उदय होता है। मन के मौन की अनिवार्यता- आज के यांत्रिक और तनावपूर्ण जीवन में मन का मौन केवल एक आध्यात्मिक आवश्यकता ही नहीं, अपितु मानसिक स्वास्थ्य की भी अनिवार्य शर्त है। ध्यान, जप, स्वाध्याय तथा आत्मचिन्तन के माध्यम से मन क्रमशः बाह्य आकर्षणों से हटकर अपने मूल स्वरूप की ओर उन्मुख होता है। यह स्थिति व्यक्ति को संसार के परिवर्तनशील अनुभवों के मध्य भी आन्तरिक सन्तुलन बनाए रखने की अपार शक्ति प्रदान करती है। अतः मन का मौन संसार से कोई पलायन नहीं, अपितु आत्मचेतना की एक उच्च अवस्था है। गीता के अनुसार यह अभ्यास और वैराग्य से प्राप्त होता है तथा योगदर्शन के अनुसार यही मन की शान्ति का सच्चा मार्ग है। जब मन की अशान्त तरंगें शान्त होने लगती हैं, तब साधक अपने वास्तविक स्वरूप का अनुभव करता है और स्थायी शान्ति, आनन्द तथा आध्यात्मिक उत्कर्ष की दिशा में निरन्तर अग्रसर होता है।

(लेखक महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक में प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन



आज की पाती

रोजगार के लिए हर पहलू पर ध्यान दें सरकारें

सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पढ़ाई के साथ-साथ इनके कौशल विकास के लिए भी एक नई योजना इंटर्नशिप शुरू की है। इसके लिए सरकार ने कुछ बड़ी कंपनियों को इसके दायरे में लाने का भी प्रयास किया है। इन कंपनियों में विद्यार्थियों को अपने कैरियर को संवारने की राह मिलेगी। इसके लिए सरकार अपनी तरफ से खर्च भी करेगी अर्थात जो विद्यार्थी इस योजना को अपनाते हैं, उनकी आर्थिक मदद भी करेगी और विद्यार्थी कंपनी के काम को सीखेंगे, ऐसा करके या तो अपना कोई बिजनेस कर सकेंगे या कंपनी में नौकरी आसानी से पा सकेंगे। यह योजना तभी कामयाब होगी जब कंपनियां इस योजना को सही तरीके से अमल में लाएंगी। रोजगार के लिए हर पहलू पर ध्यान देने की जरूरत है। - *चंदन अग्रवाल, रायगढ़*

ट्रेंड

अभद्र टिप्पणी



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज पटना में मोदी जी के पिता के बारे में अभद्र टिप्पणी करके मर्यादा की सारी हदें पार कर दी है। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस पार्टी ने मोदी जी या उनके परिवार के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। -**अमित शाह,** केंद्रीय गृहमंत्री

वोट चुराए जा रहे



हमारे वोट चुराए जा रहे हैं, और हम किसी भी हाल में इसे चुपचाप बर्दाश्त नहीं करेंगे। वोटर लिस्ट से नाम हटा दिए गए हैं। नियमों और कानूनों को तोड़ा गया है। और सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलाई गई हैं। अब देश इसका जवाब देगा।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

भ्रष्टाचार का मामला



यूपी के नगर निकाय के उच्च अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि कुछ लोग बिना पैसे जमा किए खुलेआम पोस्टर लगवा रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है- यह या तो भ्रष्टाचार का मामला है या फिर प्रशासन के दबाव का।
- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

कांग्रेस की बढ़ती हताशा



कांग्रेस पार्टी की प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रति नफरत सभी को पता है। इसी नफरत भरी मानसिकता को आगे बढ़ाते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष खड़के जी ने प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता के बारे में जो अभद्र टिप्पणी की है, वह कांग्रेस की बढ़ती हताशा को दर्शाती है।
- **धर्मेन्द्र प्रधान,** सांसद, बीजेपी

करंट अफेयर

पाक ने ईरान से सटे प्रमुख सीमा मार्ग को फिर खोला



पाकिस्तान ने द्विपक्षीय व्यापार और सीमा पार आवाजाही फिर से शुरू करने के लिए ईरान से सटा एक प्रमुख सीमा मार्ग खोल दिया है। सीमा के एक सप्ताह तक मार्ग बंद रहने के कारण मालवाहक वाहन फंसे हुए थे, आपूर्ति बाधित हो गई थी और सर्दियों की शुरुआत से पहले एलपीजी की कमी की आशंका बढ़ गई थी। खबर के अनुसार, बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर जिले में गब्द-रिमदान सीमा मार्ग पर शनिवार को व्यापारिक गतिविधियां फिर शुरू हो गईं और सीमा अधिकारियों ने 16 अक्टूबर या उससे पहले की तारीख के माल भेजने संबंधी दस्तावेजों के साथ आने वाली वाणिज्यिक खेपों को सीमा पार करने की अनुमति दी है। ग्वादर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष मीर नवीद जान कलमाती ने पुष्टि की कि 'गेट 250' के नाम से भी जाने जाने वाले इस सीमा मार्ग को फिर से खोल दिया गया है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान ने गब्द-रिमदान में ईरान के साथ अपनी सीमा खोल दी है और सामान से लदे ट्रकों तथा अन्य वाहनों को दोनों देशों के बीच आवाजाही की अनुमति दे दी है।' उन्होंने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सीमा पार व्यापार बहाल होने से दोनों ओर फंसे व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों को तत्काल राहत मिलेगी।

ऑफ बीट

अकेलापन समझने के तरीके को बदल देता है



अगर कोई एक चीज़ है जो इंसानों के रूप में हम सब में एक जैसी है, तो वह यह है कि हममें से अधिकांश ने कभी न कभी अकेलापन महसूस किया है। लेकिन क्या सामाजिक रूप से अलग-थलग महसूस करने से होने वाला दर्द इंसान होने का एक हिस्सा है? जब हम अकेलापन महसूस करते हैं तो दुनिया इतनी अलग क्यों लगती है? हाल के शोध ने कुछ उत्तर देना शुरू कर दिया है। और यह पता चला है कि अकेलापन आपकी धारणा और संज्ञान को प्रभावित कर सकता है। अध्ययनों ने अकेलेपन से जुड़े मस्तिष्क क्षेत्रों में अंतर की पहचान की है। अकेले युवा वयस्कों में, सामाजिक अनुभूति और सहानुभूति से संबंधित मस्तिष्क के क्षेत्रों में कम घना सफेद पदार्थ (तंत्रिका तंतुओं का एक बड़ा नेटवर्क जो आपके मस्तिष्क के विभिन्न क्षेत्रों के बीच सूचना और संचार के आदान-प्रदान का काम करता है) होता है। लेकिन अकेले वृद्ध वयस्कों में, संज्ञानात्मक प्रसंस्करण और भावनात्मक विनियमन के लिए महत्वपूर्ण मस्तिष्क क्षेत्र वास्तव में मात्रा में छोटे होते हैं। एक हालिया अध्ययन में पाया गया कि अकेले लोगों का दिमाग दुनिया को अजीब तरीके से संसाधित करता है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

MARUTI SUZUKI
NEXA

THE STUNNING NEW
BALENO
DARE TO GO GLAM

FRONT VENTILATED SEATS

*ADAS LEVEL 2

6 AIRBAGS

TYRE PRESSURE MONITORING SYSTEM

NEXA SAFETY SHIELD

SCAN TO CONNECT
TO A SHOWROOM NEAR YOU.

Creative visualisation. Accessories and features may vary across the vehicle variants. *ADAS features are for driver assistance only, the driver is responsible for safe and attentive driving.



पीएम मोदी, सीएम योगी और राजनाथ सिंह रहे मौजूद

'विंग्स ओवर गंगा' में राफेल, सुखोई तेजस और मिग-29 ने दिखाया दमखम

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आज वाराणसी का आसमान भारतीय वायु सेना की युद्धक क्षमता, आधुनिकीकरण और तकनीकी प्रगति का साक्षी बना। 'विंग्स ओवर गंगा' के जरिए भारतीय वायु सेना ने अपनी ताकत व तकनीक का बेहतर प्रदर्शन किया। भारतीय वायु सेना के 94वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एयर शो में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी रोड शो करते हुए नमो घाट तक पहुंचे। इस विशेष हवाई प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वायु सेना प्रमुख और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। एयर शो में भारतीय वायु सेना की ताकत, आधुनिक तकनीक और युद्धक तैयारियों का शानदार प्रदर्शन हुआ।



12 एयरबेस से विमानों का संचालन, तीनों सेनाओं का तालमेल : इस बड़े हवाई प्रदर्शन के लिए देश के 12 एयरबेस से करीब 100 विमानों की भागीदारी निर्धारित की गई। इनमें लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और परिवहन विमान शामिल हैं। इस अभियान में भारतीय थल सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच सटीक तालमेल भी देखने को मिला। इस प्रदर्शन का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों की संयुक्त क्षमता, आधुनिक युद्ध प्रणालियों और विभिन्न सैन्य प्लेटफॉर्म के बीच समन्वय को प्रदर्शित करना है।

आधुनिक सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन

भारतीय वायु सेना ने इस एयर शो के जरिए केवल पारंपरिक फ्लाईपास्ट नहीं, बल्कि वास्तविक युद्ध परिस्थितियों से प्रेरित अभ्यासों और आधुनिक सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन किया। आज के इस अंतिम कार्यक्रम में लड़ाकू विमानों की विशेष फॉर्मेशन, हवाई युद्ध का सिमुलेशन, अत्याधुनिक सेंसर तकनीक और एरोबैटिक टीमों के करतब प्रमुख आकर्षण रहे। आज के एयर शो का सबसे बड़ा आकर्षण छह अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों की एरोहेड फॉर्मेशन रहा। इसमें सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, जगुआर, मिराज-2000, एलसीए तेजस और मिग-29 ने एक साथ उड़ान भरी। एक ही फॉर्मेशन में विमानों की गति, फॉर्मेशन बनाए रखने की क्षमता और मिशन के दौरान आपसी समन्वय पर खास ध्यान रखा गया।

जगुआर को रोकने आया सुखोई

आज के प्रदर्शन में दर्शकों को हवाई युद्ध की रणनीति का सिमुलेशन भी देखने को मिला। दो जगुआर विमानों ने मालवीय पुल के ऊपर तेज गति से हमले का अभ्यास किया, जबकि एक सुखोई-30 एमकेआई ने उन्हें रोकने के लिए इंटरसेप्शन का अभ्यास किया। इस अभ्यास के जरिए यह दिखाया गया कि हवाई युद्ध के दौरान लड़ाकू विमान किस तरह संभावित खतरे का जवाब देते हैं और किस तरह अलग-अलग विमानों के बीच तालमेल के जरिए मिशन को अंजाम दिया जाता है। एयर शो में सुखोई-30 एमकेआई का तेज गति वाला वर्टिकल मैन्यूवर भी खास आकर्षण रहा। एक सुखोई ने दर्शक दीर्घा के सामने यह करतब दिखाया, जबकि दूसरा सुखोई-30 एमकेआई ने लगभग 8,000 फीट की ऊंचाई से इन्फ्रारेड इमेजिंग पॉड की मदद से पूरे प्रदर्शन को रिकॉर्ड किया।

केंद्र सरकार के ऑपरेशन ट्राइडेंट के तहत 18 तस्कर गिरफ्तार

ड्रग्स कार्टेल पर प्रहार, 3 राज्यों में छापे 100 करोड़ के हवाला का खुलासा

केंद्र सरकार ने नशीले पदार्थों के खिलाफ एक बहुत बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन ट्राइडेंट को अंजाम दिया है। गृहमंत्री अमित शाह के मुताबिक, केंद्रीय एजेंसियों ने असम, मिजोरम और मणिपुर राज्यों में कुल 38 अलग-अलग जगहों पर एक साथ समन्वित छापेमारी की। इस बड़े अभियान के जरिए सुरक्षा बलों और जांच एजेंसियों ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नार्को-कार्टेल को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। गृह मंत्री ने इसे ड्रग्स के खिलाफ मोदी सरकार का एक और जोरदार प्रहार बताया है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस ऑपरेशन के दौरान एजेंसियों के हाथ कई बड़े वित्तीय और आपराधिक सुराग लगे हैं। गृह मंत्री ने बताया कि इस कार्रवाई से लगभग 100 करोड़ रुपए के हवाला लेनदेन का बड़ा खुलासा हुआ है। इस ऑपरेशन में 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन की जानकारी सामने आई है. वहीं, 1,424 बैंक खाते फ्रीज किए हैं। गृह मंत्री ने बताया कि इस ऑपरेशन के तहत 17.82 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई, 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपये नकद बरामद किए गए, वहीं 18 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई।



भारी मात्रा में नकदी और विस्फोटक बरामद

अधिकारियों ने अवैध रूप से कमाई गई 17.82 करोड़ रुपए की संपत्ति को जब्त कर लिया है। छापेमारी के दौरान 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपए की नगद राशि बरामद की गई है। इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। गृह मंत्री ने इस अभियान में शामिल केंद्रीय एजेंसियों और तीनों राज्यों की पुलिस बलों से बनी एंटी नारकोटिक्स टीम को बधाई भी दी।

डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर के जरिए होती थी तस्करी

अपने एक्स पोस्ट में गृह मंत्री अमित शाह ने खुलासा किया कि यह खतरनाक नेटवर्क डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर के माध्यम से भारत, म्यांमार और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का इस्तेमाल करके नशीले पदार्थों की तस्करी को अंजाम दे रहा था। गृह मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि यह कार्रवाई 31 दिसंबर 2029 तक देश से नशीले पदार्थों के हर एक नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

2029 तक देश को ड्रग्स मुक्त बनाने का लक्ष्य

उल्लेखनीय है कि देश से नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में ऐतिहासिक सफलता के बाद, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अब नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रही है। सरकार का मुख्य लक्ष्य 31 दिसंबर 2029 तक भारत को ड्रग्स की समस्या से पूरी तरह मुक्त करना है। हाल ही में 21 अक्टूबर को नई दिल्ली में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बोलते हुए गृह मंत्री शाह ने यह घोषणा की थी।

केंद्रीय एजेंसियों और तीन राज्यों की पुलिस को बधाई

अमित शाह ने इस अभियान में शामिल केंद्रीय एजेंसियों और असम, मिजोरम तथा मणिपुर की पुलिस टीमों की सराहना की। उन्होंने नशे के खिलाफ कार्रवाई में जुटी टीम को बधाई देते हुए कहा कि सरकार ड्रग्स के कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है। ऑपरेशन ट्राइडेंट के जरिए तीन राज्यों में की गई संयुक्त कार्रवाई इसी प्रयास का हिस्सा है।

जयशंकर का वैश्विक आह्वान

आतंकवाद पर शून्य सहिष्णुता कूटनीति ही बचाएगी दुनिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद के राजनीतिक इस्तेमाल पर कड़ा रुख दिखाया है। उन्होंने साफ कहा कि चाहे वजह कोई भी हो, आतंकवाद को किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराया जा सकता। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सभी देशों से अपील की कि वे आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करें और इसके प्रति सच्ची 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाएं, क्योंकि अभी भी कुछ देश इस बात पर पूरी तरह सहमत नहीं हैं। वैश्विक संघर्षों के बीच जयशंकर ने कूटनीति को आगे बढ़ने का रास्ता बताया। जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कई बार राजनीतिक फायदे के लिए सही बातों को दरकिनार कर दिया जाता है। इतिहास गवाह है कि ऐसा करना कितना खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने यह भी समझाया कि यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक, दुनिया के किसी भी कोने में होने वाले टकराव से कैसे पूरी दुनिया की शांति खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इन मुश्किल हालात से निकलने का एकमात्र तरीका बातचीत और कूटनीति ही है।



17 साल बाद छात्र संघ चुनाव की आग

जामिया में पुलिस-छात्र भिड़े, परिसर किया बंद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में हालात उस वक्त तनावपूर्ण हो गए, जब छात्र और दिल्ली पुलिस आपस में भिड़ गए। यह झड़प छात्र संघ के चुनाव दोबारा कराने की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के दौरान हुई। विश्वविद्यालय में आखिरी बार छात्र संघ के चुनाव 2006 में हुए थे। हालात को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी, कैंपस के दरवाजे बंद कर दिए और सभी कक्षाओं को ऑनलाइन कर दिया। यह प्रदर्शन अब दूसरे हफ्ते में पहुंच गए हैं।

समिति कर रही अनुशासन की जांच

विश्वविद्यालय ने अपने सभी प्रवेश द्वार और पुस्तकालय बंद कर दिए हैं। वहीं, कुलपति समेत 1,500 से ज्यादा कर्मचारियों ने छात्रों से ये प्रदर्शन रोकने की अपील की है। एक समिति नए छात्र संघ के संविधान पर काम कर रही है और साथ ही प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई की समीक्षा भी कर रही है, लेकिन छात्र चाहते हैं कि इन फैसलों में उनकी भी बात सुनी जाए, इस सेमेस्टर में जल्द चुनाव करवाए जाएं और अनुशासनात्मक कार्रवाई के सभी मामले वापस लिए जाएं। फिलहाल, दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है और गेट नंबर 18 को विरोध प्रदर्शन के लिए तय कर दिया गया है।

जलगांव में पुलिस ने किया लाठीचार्ज

आरएसएस के पथ संचलन के दौरान तनाव मस्जिद के सामने विरोध में बैठे लोग

एजेंसी ▶▶| जलगांव

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए। जानकारी के मुताबिक यावल तालुका स्थित किनगांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से पथ संचलन रैली निकालने की तैयारी के दौरान तनाव की स्थिति पैदा हो गई। कुछ लोगों मस्जिद के सामने से पथ संचलन के गुजरने का विरोध किया। वहीं हालात बिगड़ता देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। इसके बाद पुलिस बंदोबस्त के बीच पथ संचलन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जलगांव जिले का अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। धार्मिक स्थल के सामने से जुलूस निकालने के मुद्दे पर हुए विवाद से कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है। पता चला है कि पुलिस प्रशासन हालात को काबू में करने की कोशिश कर रहा है ताकि कोई अनहोनी न हो।

■ घटना की जांच जारी



मस्जिद के सामने हुआ विरोध

मिली जानकारी के मुताबिक, शहर से गुजरने वाले पथ संचलन के समय मस्जिद के सामने से गुजरते समय एक समूह ने विरोध किया। एक मस्जिद के सामने से रैली ले जाने को लेकर विरोध जताते हुए पुरुषों ने महिलाओं को आगे कर धरने पर बैठा दिया। इसी दौरान मौके पर तनाव बढ़ गया और कुछ स्थानों पर पथराव शुरू हो गया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। **मौके पर भारी पुलिस बल तैनात :** घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है और सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धिवरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप गावित, डिवीजनल पुलिस अधिकारी अनिल बडगुजर और भुसावल, यावल और रावेर से बड़ी संख्या में पुलिस बल किंगांव पहुंच गया है।

बिहू दल पर हमले के मामले में तत्काल हो कार्रवाई

गुवाहाटी। असम के सीए हिमंत विश्व सरमा ने श्रीभूमि जिले में बिहू दल पर हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का पुलिस को निर्देश दिया।

राशिफल

मेष धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

वायुसेना प्रमुख की पाक को चेतावनी कहा- कोई लक्ष्य पहुंच से दूर नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने रविवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर खुलकर बात की। एयर चीफ मार्शल ने दुश्मन देश पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पश्चिमी मोर्चे पर 1200 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में और 200 किलोमीटर भीतर तक भारतीय वायुसेना के सटीक हमलों ने यह साबित कर दिया कि कोई भी लक्ष्य उसकी पहुंच से बाहर नहीं है। वायुसेना प्रमुख ने एक इंटरव्यू में कहा कि इस अभियान ने किसी भी संकट में सबसे पहले कार्रवाई करने वाली शक्ति और दुश्मन को हमला करने से रोकने की प्रभावी सैन्य क्षमता के रूप में वायुसेना की निर्णायक भूमिका की एक बार फिर पुष्टि की है।



हमने जो रास्ता चुना है, वह सही

उन्होंने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि हमने जो रास्ता चुना है, वह सही है। हम और भी अधिक दृढ़ संकल्प के साथ इस रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे ताकि अगर देश को फिर हमारी जरूरत पड़े तो भारतीय वायुसेना और भी तेजी से, अधिक सटीक और निर्णायक ढंग से देश की शर्तों पर कार्रवाई कर सके।

स्वदेशी हथियारों ने शानदार काम किया

वायुसेना प्रमुख ने यह भी बताया कि स्वदेश में विकसित कुछ हथियार प्रणालियों ने "शानदार" प्रदर्शन किया और दुश्मन के इलाके में भीतर तक जाकर उसे भारी नुकसान पहुंचाया। साथ ही पूरे अभियान के दौरान वायुसेना ने "किसी अन्य व्यक्ति या संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने" की अपनी प्रतिबद्धता भी पूरी की।

पाक के कब्जे वाले इलाकों में की गई कार्रवाई : पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पिछले साल मई में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में मौजूद आतंकवादी ढांचे पर सटीक हमले किए। यह 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद से भारत की ओर से सीमा पार की गई सबसे साहसिक सैन्य कार्रवाई थी।

कुल्लवी नाटी नृत्य...



कुल्लू। मनाली में चल रहे दशहरा पर्व के दौरान कुल्लवी नाटी नृत्य का प्रदर्शन करती हुई स्थानीय कलाकार।

शब्द पहेली - 6389

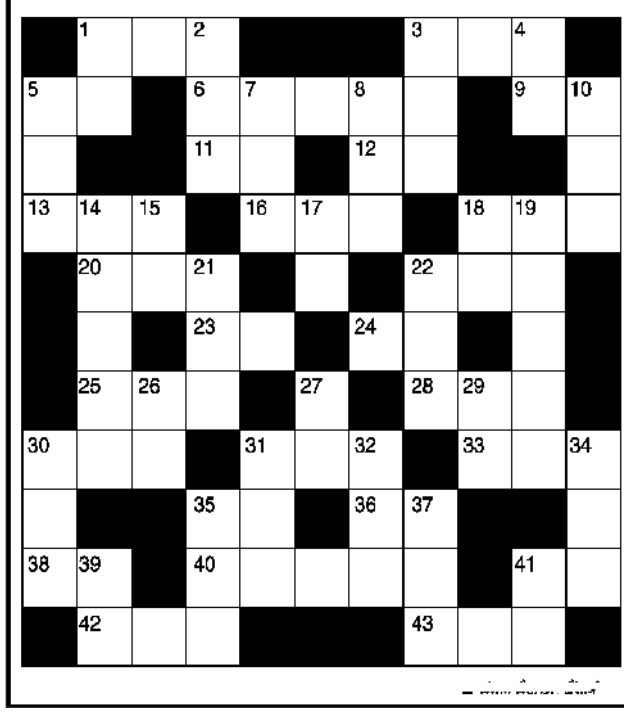

बाएँ से दाए-
1. सेवक, दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला, जाम-2
11. टोंटी, नलका-2
12. आनंद, जूस-2
13. प्रतिज्ञा, शपथ-3
16. सिमरन, सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन, लेखनी-3
22. कमल, जलज-3
23. क्रोध, गुस्सा-2
24. पाश, फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव, प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1. उर्वरक-2
2. विशाल, श्रेष्ठ-3
3. धनवान, संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
5. दैत्य, असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार, पार लगाना-3
10. शरण, आश्रय-3
14. चूर-चूर, ढहा-5
15. टोंटी, नलका-2
17. युद्ध, संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र, दोस्त, मीत-2
27. हूर, अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष, पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर, नैहर-3
34. युक्तिवाद, पैरवी-3
35. टब, परात, तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत, तह-2
41. कदर, सम्मान-2

शब्द पहेली -6388 का हल

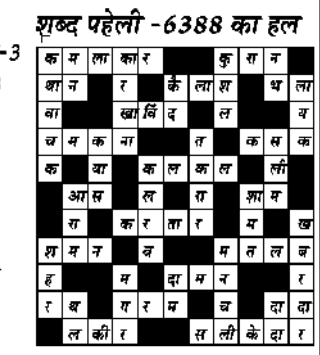

सूडोकु नवताल- 6399

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6398 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

खबर संक्षेप

बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 28.4 फीसदी बढ़ा



मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि वित्तवर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 28.4 प्रतिशत बढ़ गया। बैंक का शुद्ध मुनाफा बढ़कर 3,308.82 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में 2,576.69 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। एकल आधार पर बैंक का शुद्ध मुनाफा चालू वित्तवर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 25.34 प्रतिशत बढ़कर 3,202.38 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,554.57 करोड़ रुपये था।

डॉ. रेड्डीज का मुनाफा 36% घटकर 913 करोड़ रुपए



नई दिल्ली। दवा कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने बताया कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 36 प्रतिशत घटकर 913.4 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में उसने 1,426.8 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का एकीकृत राजस्व घटकर 8,670.8 करोड़ रुपये रह गया। जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 8,805.1 करोड़ रुपये था। कंपनी के अनुसार, समीक्षाधीन तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 3,252.1 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 3,062.7 करोड़ रुपये था।

एचडीएफसी बैंक को बाजार पूंजीकरण में बड़ा नुकसान



नई दिल्ली। शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच सेंसेक्स की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक घट गया। इसमें एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस को सबसे अधिक नुकसान हुआ। छुट्टियों के कारण छोटे रहे कारोबारी सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,605.44 अंक यानी 2.15 प्रतिशत टूट गया, जबकि एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी 546.15 अंक यानी 2.36 प्रतिशत गिर गया। शेयर बाजार में कमजोर रुख के बीच बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण चार कारोबारी सत्रों में 20,78,774.28 करोड़ रुपये घटकर 4,51,83,393.14 करोड़ रुपये रह गया।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग 22 प्रतिशत बढ़ी



नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज के चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि कंपनी की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष में 22 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 41,500 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। गोदरेज ने कहा कि आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग से कंपनी अपने सालाना लक्ष्य को पार कर सकती है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि जिन बाजारों में कंपनी की मौजूदगी है, वहां उसकी नई और पहले से चल रही आवासीय परियोजनाओं में ग्राहकों की मांग काफी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता के बावजूद समूचे रियल एस्टेट बाजार में आवासीय संपत्तियों की मांग बनी हुई है और इसमें स्थिरता है।

आईटीआर फाइलिंग की बढ़ी तारीख, अंतिम दिन चूक गए तो लगेगा 5000 का जुर्माना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने उन करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर, 2026 कर दी है। यह उनके लिए है, जिनके खातों का टैक्स ऑडिट कराना अनिवार्य है। यह तारीख इन टैक्सपेयर्स के लिए बेहद अहम है क्योंकि अगर इन्होंने इस तारीख के बाद रिटर्न फाइल किया तो फिर भारी लेट फीस के साथ पेनाल्टी का सामना करना पड़ेगा।

- पहले आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2026 थी

पहले इन टैक्सपेयर्स के लिए आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर 2026 थी, जिसे सीबीडीटी ने त्योहारी सीजन और काम के भारी दबाव को ध्यान में रखते हुए 21 दिन आगे बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दिया था।

आईटी दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दी गई

किन्हें 21 नवंबर को भरना होगा आईटीआर

ऐसे करदाता जिनकी आय व्यापार या पेशेवर सेवाओं से होती है और जिन्हें ऑडिट रिपोर्ट जमा करना अनिवार्य है, उन्हें जुर्माने और टैक्स नोटिस से बचने के लिए 21 नवंबर तक अपना रिटर्न दाखिल करना होगा। इनमें घरेलू और विदेशी कंपनियां, ऐसे बड़े कारोबारी जिनका सालाना टर्नओवर 1 करोड़ रुपये से ज्यादा है, डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), वकील, आर्किटेक्ट और इंजीनियर्स जैसे पेशेवर, जिनकी सालाना ग्रॉस रिसीट्स 50 लाख रुपए से अधिक या चुनिंदा मामलों में 75 लाख रुपए है।



अनिवार्य लेट फीस देनी होगी: आयकर अधिनियम की धारा 234एफ के तहत, 21 नवंबर के बाद रिटर्न दाखिल करने पर आपको अनिवार्य लेट फीस देनी होगी। अगर आपकी कुल सालाना कर योग्य आय 5 लाख से अधिक है, तो 5,000 रुपए की लेट फीस होगी। अगर सालाना आय 5 लाख या उससे कम है, तो 1,000 रुपए की लेट फीस लगेगी।

अगर डेडलाइन से चूक गए तो क्या होगा?

अगर आप 21 नवंबर की समय-सीमा चूक जाते हैं, तो भी आपके पास आयकर अधिनियम की धारा 139(4) के तहत 'बिलेटेड रिटर्न' दाखिल करने का विकल्प रहता है। असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए आयकर विभाग का कहना है कि बिलेटेड रिटर्न 31 दिसंबर, 2026 तक या असेसमेंट पूरा होने से पहले- जो भी पहले हो- दाखिल किया जा सकता है।

किन्हें इस तारीख को नहीं भरना होगा आईटीआर

नौकरीपेशा लोगों और आम व्यक्तिगत करदाताओं, जिन्हें ऑडिट की जरूरत नहीं होती, उनके के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 को ही समाप्त हो चुकी है। इसके अलावा, छोटे कारोबारी, जो धारा 44एडी या 44एडीए के तहत अनुमानित कर योजना का लाभ उठाते हैं और ऑडिट नहीं कराते, उनके लिए भी यह डेडलाइन लागू नहीं है।

माइक्रोटेक सौर कारोबार पर करेगी 400 करोड़ निवेश...



नई दिल्ली। माइक्रोटेक ने अपने सौर कारोबार के विस्तार में तेजी लाने के लिए 400 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने रविवार को जारी बयान में कहा कि विस्तार योजना के तहत जयपुर में सौर पैनल विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। इसके अगले महीने तक चालू होने की उम्मीद है। कंपनी ने शनिवार को संपन्न हुए नवीकरणीय ऊर्जा एक्सपो 2026 में कहा कि वह अपने 'हर घर बिजली घर' के दृष्टिकोण के तहत नई बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) पेश करेगी। इसका उद्देश्य घरों और कारोबार क्षेत्रों के लिए भरोसेमंद ऊर्जा समाधान सुलभ कराना है।

बॉम्बे कोटेड का आईपीओ 29 अक्टूबर को आएगा

नई दिल्ली। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का 183.1 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 अक्टूबर को बोली के लिए खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 78 से 82 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने कहा कि पूरी तरह से ताजा इक्विटी शेयरों पर आधारित यह आईपीओ दो नवंबर को बंद होगा। नए निर्गम से प्राप्त राशि में से 125 करोड़ रुपये का उपयोग कुछ कर्ज के समय से पहले भुगतान के लिए किया जाएगा।



सीसीआई विभिन्न पदों पर 41 लोगों की करेगा भर्ती

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) श्रमबल बढ़ाने के अपने प्रयासों के तहत प्रतिनियुक्ति के आधार पर पेशेवर और प्रशासनिक पदों के लिए 41 लोगों की भर्ती करने की योजना बना रहा है। सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, सीसीआई और उसकी जांच इकाई महानिदेशक (डीजी) कार्यालय, दोनों में लोगों को भर्ती किया जाएगा। यह नियामक बाजार में विभिन्न क्षेत्रों में अनुचित व्यावसायिक व्यवहार पर नजर रखता है और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का काम करता है। डीजी कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अपर महानिदेशक के दो पद और संयुक्त महानिदेशक के सात पद पर भर्ती की जाएगी।



विदेशी निवेशकों ने बाजार से निकाले 48,056 करोड़

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अबतक भारतीय शेयर बाजार से 48,056 करोड़ रुपये निकाले हैं। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई की चिंता और कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों के कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी है। हालांकि, पिछले सप्ताह के दौरान उनकी बिकवाली की रफ्तार में उल्लेखनीय कमी आई और दो कारोबारी सत्रों में वे शुद्ध खरीदार भी रहे। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय शेयरों से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले जुलाई में उन्होंने 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था। वर्ष 2026 में भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 3.08 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह वर्ष 2025 के पूरे साल में निकाली गई 1.66 लाख करोड़ रुपये की राशि से काफी अधिक है।

- द. अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक परिसंपत्तियों की तलाश
- खोज में लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और महत्वपूर्ण खनिज शामिल
- कंपनी का उद्देश्य कच्चे माल संबंधी जरूरतों को पूरा करना

एनएमडीसी के चेयरमैन मुखर्जी ने रणनीति की पुष्टि की थी

कारोबार में विविधता लाना चाहती है एनएमडीसी, 4 महाद्वीपों पर तलाश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख लौह अयस्क खनन कंपनी एनएमडीसी अब अपने कारोबार में विविधता लाने का प्रयास कर रही है। कंपनी दक्षिण अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक चार महाद्वीपों में खनन परिसंपत्तियों की तलाश कर रही है। इनमें लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और महत्वपूर्ण खनिज जैसे खनिज के भंडार भी शामिल हैं।

कंपनी का उद्देश्य भविष्य में वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और इस्पात जैसे तेजी से बढ़ते उद्योगों की कच्चे माल संबंधी जरूरतों को पूरा करना है।

उद्योग जगत के सूत्रों के अनुसार, एनएमडीसी चिली, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, ब्राजील और एशिया के कुछ हिस्सों में लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और महत्वपूर्ण खनिज के खनन क्षेत्रों की संभावनाएं तलाश रही है।

चूना पत्थर, डोलोमाइट, कोयला ब्लॉक की खोज

इसके अतिरिक्त, कंपनी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान, भूटान और ऑस्ट्रेलिया में चूना पत्थर, डोलोमाइट, कोकिंग कोयला और टंगस्टन के खनन ब्लॉक की भी खोज कर रही है। वर्तमान में एनएमडीसी भारत की लौह अयस्क मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा पूरा करती है। हालांकि, कंपनी अब लौह अयस्क पर अपनी निर्भरता कम करते हुए खनिज कारोबार के अन्य क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहती है।

देश की सबसे बड़ी खनन कंपनी

इससे पहले एनएमडीसी के चेयरमैन अमिताव मुखर्जी ने भी कंपनी के कारोबार में विविधता लाने की रणनीति की पुष्टि की थी। उन्होंने कहा था कि एनएमडीसी देश की सबसे बड़ी खनन कंपनी बनने के साथ-साथ लौह अयस्क से इतर खनिजों से भी उल्लेखनीय राजस्व अर्जित करना चाहती है।

कंपनी का 99 फीसदी कारोबार लौह अयस्क पर आधारित

कंपनी ने भविष्य में अपने कुल राजस्व का कम से कम 20 प्रतिशत लौह अयस्क के अलावा अन्य खनिजों की बिक्री से हासिल करने का लक्ष्य रखा है। एनएमडीसी ने इस संबंध में कहा, ''फिलहाल हमारा कारोबार 99.9 प्रतिशत लौह अयस्क पर आधारित है। हमारा लक्ष्य देश के तेजी से बढ़ते उद्योगों की अधिकतम खनिज जरूरतों को पूरा करने में मदद करना है।



रक्षा उत्पादन में इस्पात की मांग बढ़ सकती है

सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, सेमीकंडक्टर विनिर्माण, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन तथा औद्योगिक गलियारों के विकास से देश में विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार की उम्मीद है। इससे वाहन उद्योग, इंजीनियरिंग उत्पादों, मशीनरी, जहाज निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और रक्षा उत्पादन में इस्पात की मांग बढ़ सकती है।

लागत में कच्चे माल की हिस्सेदारी 65 से 70 फीसदी

इस्पात क्षेत्र के लिए भी कच्चे माल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है। इस्पात मंत्रालय के इस्पात नीति दृष्टिकोण के मसौदे, 2047 के अनुसार, इस्पात उत्पादन की कुल लागत में कच्चे माल की हिस्सेदारी लगभग 65 से 70 प्रतिशत होती है। नीति में घरेलू खनन बढ़ाने, कोल वॉशरी के विस्तार, खनन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण, दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित कोयला मिश्रण अनुकूलन के माध्यम से आयात निर्भरता घटाने पर जोर दिया गया है।

कच्चा तेल 120 डॉलर के करीब पहुंचने की आशंका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



पश्चिम एशिया में बढ़ते वैश्विक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर अगले सप्ताह भी जारी रहने की आशंका है। इससे आपूर्ति बाधित होने की चिंताएं बनी हुई हैं। वहीं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व का मौद्रिक नीति संबंधी फैसला बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 117 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बीच निवेशकों की नजर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले की आशंकाओं और अमेरिका के साप्ताहिक भंडार आंकड़ों पर रहेगी। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान और अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन अपने साप्ताहिक भंडार के अनुमान जारी करेंगे। इसके अलावा, कुशिंग में कच्चे तेल का भंडार और 27-28 अक्टूबर को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक भी बाजार के लिए अहम रहेगी। निकट अवधि में कीमतों का रुख तेजी का है, लेकिन यह काफी हद तक खबरों से प्रभावित होगा।

- खाड़ी तनाव से कीमतों में उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका
- फेड का फैसला नई दिशा तय करने में होगी अहम भूमिका

अमेरिकी चुनाव के बाद निशाने पर ईरान

दमानी ने कहा कि अमेरिका और इजराइल द्वारा तीन नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे, जिसमें नतांज के पास स्थित परमाणु प्रतिष्ठान भी शामिल हैं, को निशाना बनाने की योजना तैयार किए जाने संबंधी खबरों ने भी चिंता बढ़ाई है।

सराफा कारोबारियों की नजर फेड के नीतिगत फैसले पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से महंगाई की चिंताएं बढ़ने के कारण अगले हफ्ते सोने और चांदी को नई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीति फैसले से यह तय हो सकता है कि सर्राफा कीमतें स्थिर होंगी या अपनी गिरावट के रुख को और बढ़ाएंगी।

ऊंचे बॉन्ड प्रतिफल और मजबूत डॉलर से पहले ही कीमती धातुओं पर दबाव है। अब सर्राफा कारोबारियों की नजर फेडरल रिजर्व की 27-28 अक्टूबर को होने वाली बैठक पर रहेगी। इसके अलावा यूरोपीय सेंट्रल बैंक और बैंक ऑफ जापान के नीतिगत फैसलों के साथ ही अमेरिका में टिकाऊ सामानों के ऑर्डर, उपभोक्ता विश्वास, व्यक्तिगत उपभोग व्यय और तीसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों पर भी ध्यान रहेगा।

- महंगाई की चिंता बढ़ने से सराफा कर रहा नई बाधा का सामना
- ऊंचे बांड प्रतिफल और डॉलर के मजबूत होने से सराफा पर दबाव

एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''निकट अवधि का नजरिया सतर्क बना हुआ है, और फेडरल रिजर्व के नीतिगत मार्ग पर अधिक स्पष्टता मिलने तक सोने पर दबाव रहने की संभावना है। आगामी निर्णय यह तय कर सकता है कि कीमतें मौजूदा स्तरों के आसपास स्थिर होंगी या गिरावट को आगे बढ़ाएंगी।''

सोना दिसंबर वायदा चार फीसदी गिरकर

घरेलू बाजारों में यह दबाव स्पष्ट था, जहां मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना वायदा पिछले हफ्ते 5,768 रुपये या लगभग चार प्रतिशत गिरकर 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी में और भी अधिक गिरावट आई, जो दो लाख रुपये के निशान से नीचे फिसल गई और 15,087 रुपये या 7.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.96 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

एआई से प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बड़ा बदलाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एचसीएल टेक्नोलॉजीज (एचसीएलटेक) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक सी विजयकुमार ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण प्रौद्योगिकी क्षेत्र एक बार फिर बड़े बदलाव के मोड़ पर पहुंच गया है और भविष्य उन्हीं कंपनियों का है जो लगातार खुद को नए सिरे से ढालने के लिए तैयार हैं। विजयकुमार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी की कमान संभालने के 10 साल पूरे होने के अवसर पर सोशल मीडिया मंच 'लिंक्डइन' पर एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक दशक लंबा समय होता है। इस दौरान उद्योगों का स्वरूप बदला है, कारोबारी मॉडल में बड़े बदलाव आए हैं और संभावनाओं की सीमाएं बार-बार बदली हैं। भविष्य की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एआई के कारण उद्योग में फिर एक बड़ा बदलाव हो रहा है। विजयकुमार ने लिखा, ''आज एआई हमारे उद्योग को नया स्वरूप दे रहा है और हम एक बार फिर बदलाव के महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं।''

- भविष्य उनका जो खुद को नए सिरे से ढालें: एचसीएलटेक

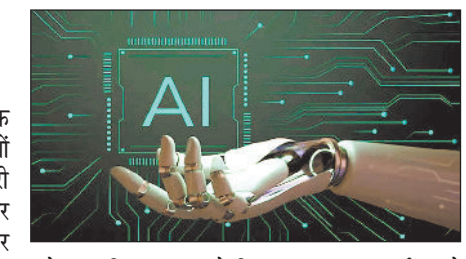

निवेश के लिए 26 से 30 अक्टूबर 2026 के बीच लेकर आ रही निर्गम

अगले हफ्ते निवेश के लिए तीन कंपनियों का आईपीओ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगले हफ्ते कमाई का नया मौका मिलने जा रहा है। 26 से 30 अक्टूबर 2026 के बीच पांच कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। शेयर बाजार से 2600 करोड़ रुपए जुटाना है। इस लिस्ट में ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव, एसएफसी इनवायरमेंटल टेक्नोलॉजी, बीएलएस पॉलमिर्स, एमके सन्स फाइन ज्वेल्स और बम्बई कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स शामिल हैं। इन आईपीओ के जरिए निवेशकों को अलग-अलग कारोबार से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने का मौका मिलेगा। हालांकि, आईपीओ में पैसा लगाने से मुनाफे की गारंटी नहीं होती। लिस्टिंग के दिन शेयर इश्यू प्राइस से ऊपर भी जा सकता है और नीचे भी। वित्तीय स्थिति और आईपीओ की शर्तें समझना जरूरी है।

- सूची में ईएएए इंडिया, एसएफसी, बीएलएस पॉलिमर्स, एमके सन्स, बॉबे कोटेड शामिल

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स आईपीओ

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स का आईपीओ 29 अक्टूबर को खुलेगा और 2 नवंबर को बंद होगा। कंपनी ने शेयर का प्राइस बैंड 78 से 82 रुपए तय किया है। इश्यू का आकार करीब 183.1 करोड़ रुपये है। यह आईपीओ पूरी तरह नए शेयर जारी करके लाया जा रहा है। कंपनी स्टील प्रोसेसिंग के कारोबार में है। आईपीओ से मिलने वाली रकम का बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने या पहले से लिए गए कर्ज का भुगतान करने में इस्तेमाल किया जाएगा। कुछ रकम मशीनरी से जुड़े खर्च के लिए भी रखी गई है।

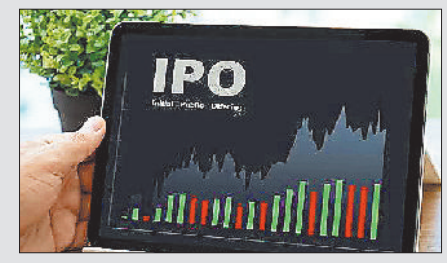

बीएलएस पॉलीमर्स आईपीओ: बीएलएस पॉलीमर्स का आईपीओ भी 27 अक्टूबर को खुलेगा और 29 अक्टूबर तक इसमें आवेदन किया जा सकेगा। कंपनी ने प्राइस बैंड 142 से 150 रुपए प्रति शेयर रखा है। इस आईपीओ से करीब 255 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। यह पूरी तरह नए शेयर जारी करने वाला इश्यू है। कंपनी पावर केबल, टेलीकॉम नेटवर्क, रेलवे और भूमिगत पाइपलाइन जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले खास तरह के पॉलिमर कंपाउंड बनाती है।

ईएएए इंडिया अल्टरनेटवि आईपीओ

ईएएए इंडिया अल्टरनेटवि का आईपीओ 26 अक्टूबर को खुलेगा और 28 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 1,585 से 1,665 रुपए का प्राइस बैंड तय किया है। इस इश्यू के जरिए करीब 1,200 करोड़ रुपये जुटाए जाने हैं। यह इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। यानी इसमें मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचेंगे और आईपीओ से मिलने वाली रकम कंपनी के बजाय शेयर बेचने वाले शेयरधारकों को जाएगी। कंपनी वैकल्पिक निवेश प्रबंधन के कारोबार में है।

स्पेशल ट्रेन के लिए 200 रुपए तक ज्यादा किराया, फिर भी घंटों लेट, मुंबई-नागपुर के यात्री परेशान

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

नाम स्पेशल, किराया ज्यादा, लेकिन सफर में घंटों की देर। रेलवे यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए हर महीने दर्जनों स्पेशल ट्रेनें चलाता है। त्योहारों के दौरान इनकी संख्या और बढ़ जाती है। इसके बावजूद ट्रेनों की लेटलतीफी यात्रियों की परेशानी बढ़ा रही है। रायपुर से मुंबई, नागपुर और बिलासपुर जैसे शहरों के लिए चलने वाली कुछ ट्रेनों में यात्रियों को नियमित एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में ज्यादा किराया देना पड़ रहा है, लेकिन समय पर पहुंचने की राहत नहीं मिल रही। रक्षाबंधन, जगन्नाथ रथयात्रा और सावन के दौरान चलाई गई स्पेशल ट्रेनों में भी देर की शिकायतें सामने आई थीं। ऐसे में अब यात्रियों की ओर से शिकायत आ रही है कि जब यात्रियों से अतिरिक्त किराया लिया जा रहा है, तो उन्हें समय पर सफर की सुविधा क्यों नहीं मिल रही? रेलवे स्पेशल ट्रेन को भी नियमित ट्रेन की तरह परिचालन कर रहा है। ऐसे में यात्रियों को स्पेशल का लाभ नहीं मिल रहा। रेलवे की ओर से इन ट्रेनों की विशेष निगरानी का दावा करता है, लेकिन हकीकत में यह ट्रेन घंटों लेट रहती है।

खास बात

- त्योहारों में बढ़ जाती है स्पेशल ट्रेनों की संख्या, रक्षाबंधन, रथयात्रा और सावन में भी यात्रियों को नहीं मिली समय पर सफर की राहत



मुंबई जाने के लिए 160 रुपए ज्यादा किराया

रायपुर से मुंबई जाने वाले यात्रियों को हटिया-एलटीटी एक्सप्रेस में स्लीपर श्रेणी के लिए 740 रुपए किराया देना पड़ता है। वहीं, नियमित एक्सप्रेस ट्रेन में इसी यात्रा के लिए स्लीपर का किराया 580 रुपए बताया गया है। इस तरह यात्रियों को 160 रुपए अधिक चुकाने पड़ते हैं। इसके बावजूद हटिया-एलटीटी एक्सप्रेस पिछले कई महीनों से रायपुर करीब चार से पांच घंटे की देर से पहुंच रही है। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए इतनी देर परेशानी बढ़ा देती है। इससे आगे की यात्रा, जरूरी काम और दूसरे कार्यक्रमों की योजना भी प्रभावित हो सकती है।

नागपुर के लिए भी किराया ज्यादा, ट्रेनें लेट

रायपुर से नागपुर के बीच भी किराये का अंतर देखने को मिल रहा है। नियमित एक्सप्रेस ट्रेन में स्लीपर का किराया करीब 250 रुपए है, जबकि नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक्सप्रेस और चरापल्ली एक्सप्रेस में यह किराया 400 रुपए तक बताया गया है। यानी यात्रियों को करीब 150 रुपए अधिक देने पड़ते हैं। यात्रियों की परेशानी यह है कि इन ट्रेनों में भी दो से पांच घंटे तक की देरी हो रही है। अधिक किराया देने के बाद भी समय की बचत नहीं हो रही, जिससे स्पेशल ट्रेनों की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं।

बिलासपुर के लिए भी चार घंटे तक देर

रायपुर से बिलासपुर के बीच चलने वाली चरापल्ली एक्सप्रेस में स्लीपर का किराया करीब 400 रुपए बताया गया है, जबकि नियमित एक्सप्रेस ट्रेनों में यह किराया करीब 180 रुपए तक है। इस तरह दोनों के किराये में बड़ा अंतर है। इसके बावजूद

प्रथम पृष्ठ का शेष

सऊदी अरब में...

साझा की। उसने शनिवार को सोशल मीडिया पर कहा, रियाद और दम्माम से आने-जाने वाली एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें सात नवंबर, 2026 तक स्थगित रहेंगी, जबकि जेद्दा से आने-जाने वाली उड़ानें 31 अक्टूबर, 2026 तक स्थगित रहेंगी। जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने भी इसी तरह का परामर्श साझा किया।

वित्तीय अनियमितता : जांच...

उनके खिलाफ जांच की जा चुकी है। इनमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) स्तर के 135 अधिकारी शामिल हैं।

मोदी पर खड़गे...

नहीं जाएंगे' के जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे यह कहकर विवादों में घिर गए कि 'मोदी का बाप भी जाएगा।' खड़गे के इस बयान पर कि कांग्रेस विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं में शामिल लोगों को जेल भेजेगी, कार्यक्रम में मौजूद एक व्यक्ति चिल्लाया, 'जब तक विद्रोह नहीं होगा, मोदी कहीं नहीं जाएंगे।' कांग्रेस अध्यक्ष ने पलटवार करते हुए कहा, 'मोदी का बाप भी जाएगा।'**वायरल हुआ वीडियो, युवक की पिटाई**-इसका वीडियो भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने उस व्यक्ति की पिटाई की और उसे हॉल से हटा दिया, जिसने ये कहा था कि मोदी नहीं जाएगा। शख्स का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसके बोलते समय उसे धक्का देते हुए बाहर किया जा रहा है।

शाह का सोशल...

कहा कि यह कोई पहली बार नहीं है। इससे पहले भी कांग्रेस ने पीएम मोदी की दिवंगत माताजी का अपमान किया, उन्हें 'मौत का सौदागर' कहा और कभी 'चायवाला' कहकर उनकी गरीबी का मजाक उड़ाया। आखिर कांग्रेस पार्टी इस हद तक क्यों गिर रही है? इसके पीछे का असली कारण बताते हुए अमित शाह ने लिखा कि पिछले 12 सालों से लगातार मिल रही चुनावी हार की वजह से कांग्रेस पूरी तरह फ्रस्ट्रेट हो चुकी है। पार्टी के पास अब न तो कोई ढंग की नीति बची है और न ही कोई मजबूत मुद्दा। अब उनके पास सिर्फ और सिर्फ 'गाली-गलौज की राजनीति' ही बची है। जनता के बीच तो उनका जनाधार पहले ही साफ हो चुका था, अब वे अपने कार्यकर्ताओं के बीच भी पकड़ खोते जा रहे हैं।

साय बोले- खड़गे...

मुख्यमंत्री श्री साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते-करते उनके दिवंगत पिता को निशाना बनाना कांग्रेस की गिरती राजनीतिक सोच और वैचारिक दिवालियेपन को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति राजनीतिक द्वेष में कांग्रेस जिस स्तर तक उतर रही है, उसे पूरा देश देख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता कांग्रेस की इस संस्कारहीन और ओछी राजनीति को भली-भांति पहचान चुकी है। जब-जब कांग्रेस ने ऐसी घृणित भाषा अपनाई है, जनता ने उसे करारा जवाब दिया है। इस बार भी जनता ऐसी राजनीति को न भूलेगी, न स्वीकार करेगी और समय आने पर अपने लोकतांत्रिक अधिकार से इसका जवाब देगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजनीतिक विरोध की आड़ में इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी कांग्रेस की गिरी हुई सोच और संस्कारहीन राजनीति का खुला प्रमाण है। कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को अपनी टिप्पणी के लिए देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

उदंती के बीहड़...

लगता है। यह मेला छत्तीसगढ़ का पहला ऐसा अनूठा मेला है, जो बिना किसी कृत्रिम बिजली की रोशनी के चांद की दूधिया रोशनी में रातभर गुलजार रहता है। रविवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर सुबह 9 बजे से ही चौकशील पहाड़ी पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा से भी बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के साथ अन्य समाज के लोग अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों, देवी-देवताओं के ध्वज-पताका और डांग-डोली के साथ पहुंचे। दोपहर 3 बजे तक ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक आदिवासी वाद्य यंत्रों के साथ पहुंचे देवी-देवताओं का जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद मां गढ़िया माता के दरबार में विधिवत पूजा-अर्चना हुई। इस दौरान पूरा क्षेत्र जयकारों से गूंज उठा। आदिवासी संस्कृति और परंपरा के प्रतीक पारंपरिक हथियार तीर-धनुष, खड़ग, तलवार, फरसा और पारंपरिक वेशभूषा में सजी यह शोभायात्रा आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। **आदिवासी संस्कृति-परंपरा के दर्शन** - ढोल-मांदर की गूंज, पारंपरिक वेशभूषा और हाथों में डांग-डोली व देवी-देवताओं के ध्वज-पताका लेकर जब श्रद्धालु पहाड़ी पर पहुंचे, तो पूरा माहौल अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। लोग दूर-दूर से देवी-देवताओं के दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए उमड़ पड़े। मेला समिति के संरक्षण के टीकम नागवंशी, बैजनाथ नेताम,टीकम सिंह मांझी, मंगल सिंह,दीपक मांडवी ,खेल सिंह मरकाम ,तिरथ नाग ,नरेश कुमार नागेश, अर्जुन नायक, हरीश मांझी, हेमंत ध्रुव,देवी सिंह, कुंवर सिंह ओटी,मधु सिह एवं बुजुर्गों और समाज प्रमुखों का कहना है कि आज के आधुनिक दौर में भी यह मेला हमारी परंपराओं, रीति-रिवाजों और देव-पूजा पद्धतियों को सहेजकर रखे हुए है। प्रकृति के सानिध्य में शरद पूर्णिमा के चांद के नीचे जुटने वाला यह विशाल जनसैलाब इस बात का प्रमाण है कि आदिवासी समाज आज भी अपनी जड़ों और समृद्ध इतिहास से मजबूती से जुड़ा हुआ है। यहां मेला तीन दिनों तक आयोजित किया जाता है जिसमें मुख्य कार्यक्रम शरद पूर्णिमा के दिन और पूरे रात भर चलता है। सोमवार को तीसरे दिन पान सुपारी भेंटकर मेले में पहुंचे वरिष्ठजनों को विदाई दी जाएगी।

डाक-सेवक भर्ती...

एजुकेशन का प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया था, जिसे विभाग ने मान्यता प्राप्त माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नहीं माना था। केंद्र सरकार ने शिक्षा मंत्रालय के 24 दिसंबर 2021 के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में केवल छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर और छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर मान्य हैं। इसके तहत उम्मीदवारों की नियुक्ति पर विचार नहीं किया गया, जिससे परेशान होकर उन्होंने पहले केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण में याचिका लगाई, जिसे केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने मंजूर कर लिया था।

शराब में सुहागा...

बिलासपुर अस्पताल भेजा गया जहां उनकी मौत हो गई। जांच में पुलिस पता चला कि राजा खरे ने भी उनके साथ शराब पी थी और राजा खरे का जोहित खरे के साथ पैसे के लेन देन का विवाद था। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी राजा खरे ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। राजा खरे ने 4 माह पहले जोहित खरे से 10 लाख रूपये उधार में लिये थे। वह उधारी नहीं चुका पा रहा था और तगादे से परेशान हो चुका था। इसीलिए उसने जोहित खरे को मारने के लिए शराब में सुहागा मिलाकर दिया, लेकिन पार्षद रामखिलावन जांगड़े ने भी उसी बोतल की शराब पी ली, जिससे दोनों की मौत हो गई। मामले का खुलासा करते हुए एस पी विजय पाण्डेय ने बताया कि जोहित खरे की बेटी से पूछताछ करने पर पता चला कि जोहित खरे और रामखिलावन जांगड़े 23 अक्टूबर को शाम 5 बजे घूमने निकले थे। शाम लगभग 7:30 बजे मनीषा खरे को फोन के माध्यम से सूचना मिली कि उनके पिता जोहित खरे एवं रामखिलावन जांगड़े की तबीयत बहुत खराब है और अस्पताल में है। अस्पताल पहुंच कर मनीषा खरे द्वारा अपने पिता जोहित खरे से पूछताछ करने पर पता चला कि पनगांव के राजा उर्फ कमलनाथ खरे द्वारा धोखे से शराब में कुछ मिलाकर पिलाने के बाद से दोनो की तबीयत बहुत खराब हुई है। पुलिस द्वारा तत्काल मुखबीर तैनात कर राजा उर्फ कमलनाथ खरे को पकड़ा गया। **चार माह उधार में लिया था 10 लाख** - हिरासत में लेकर पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि जोहित लाल खरे से 4 माह पूर्व 10 लाख रुपए उधार में लिया थे। पैसे के लिए जोहित खरे लगातार राजा खरे को तगादा करता था, जिससे दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसीलिए उसने शराब में सुहागा मिलाकर दे दिया। आरोपी राजा खरे की निशानदेही पर खाली शराब की बोतल और सुहागा की पुड़िया को घटनास्थल के पास से जब्त किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

तट की ओर तूफान...

प्रदेश के बाद छत्तीसगढ़ में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार पुडुचेरी में शनिवार रात से लगातार बारिश हो रही है। वहीं, तमिलनाडु में भारी बारिश के बीच इरोड जिले में रविवार को कोडिवेरी बांध पर लगातार दूसरे दिन पर्यटकों की एंट्री बंद रही। केरल में भी भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित है। मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में रेड अलर्ट है। **फसलों को हो सकता है नुकसान**- तेज बारिश और हवा की वजह से धान की फसलों को नुकसान हो सकता है। अभी धान के फसल पकने लगे हैं। अगर तेज बारिश होती है तो उन्हें ही ज्यादा नुकसान होगा। ऐसे में किसानों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

छग में सरगुजा...

को इसकी शुरुआत बस्तर से होगी और 29 अक्टूबर तक इसका विस्तार रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग में भी होने की संभावना है। तीन दिन की अवधि में कहीं-कहीं भारी तो कुछ स्थानों में अतिभारी बारिश भी हो सकती है। इसके साथ ही हवा की गति अधिक होने और बादल छाने की वजह से फसलों पर विपरीत असर हो सकता है। इंदिरा गाधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विशेषज्ञ डा. जीके दास ने बताया कि किसान भाई मौसम के पूर्वानुमान और अपनी फसल की स्थिति को देखकर ही कटाई करने का निर्णय लें।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदे।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- 5-6वर्ष अनुभवी सेल्समैन एवं टूर कार्य हेतु तथा दुकान में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बजरंग मेडिकल स्टोर मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9827195997, 9144700050 (42174)

आवश्यकता है- आफिस रिसेप्शनिस्ट/ फिल्ड कार्य हेतु स्कूटी जानकार लड़की/ युवती चाहिए (समय 9:30 से 7:30, वेतन 9000 से 10000 योग्यतानुसार) पता- JBS Infra developer हेमू नगर पावर हाऊस तोरवा बिलासपुर 9300000195 (42178)

आवश्यकता है- स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़की की अति शीघ्र आवश्यकता है। तत्काल सम्पर्क करें- भाटिया इंटरप्राइजेज, नेहरू चौक पेट्रोल पम्प के बाजू में बिलासपुर 7587259295 (42179)

आवश्यकता है- सलवार सूट ब्लाउज सिलाई करने वाले महिला, पुरूष चाहिए विशेष दो महिने में पूर्ण रूप से सिलाई सिखाई जाती है। सम्पर्क करें- मॉडर्न बुटिक आशा नगर उस्लापुर बिलासपुर 62656 15968 (42175)

आवश्यकता है- अनुभवी ड्यूटी डॉक्टर - 6 (MBBS / BAMS / BHMS), ICU ड्यूटी डॉक्टर 2, नर्सिंग स्टाफ 10 (B. Sc. /GNM), OT टेक्नीशियन 3, फ्लोर मैनेजर 1, रिसेप्शनिस्ट 2, ड्रेसर 2 की आवश्यकता है। पताः ग्लोबल स्टार हॉस्पिटल, डी.डी. नगर, रिंग रोड नं. 1, रायपुर (छ. ग.) संपर्कः 9993111117, 78800 85048, 9131216229 (4198)

आवश्यकता है- जिम में मैनेजमेंट संबंधित सभी कार्य करने हेतु स्मार्ट युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- लेवल अप फिटनेस, मिनी स्टेडियम, गांधी चौक बिलासपुर 9144 444774, 9522266668 (42158)

आवश्यकता है- रामा लाइफ सिटी सकरी में सुबह से शाम तक पारंपरिक सात्विक शाकाहारी खाना बनाने एवं घरेलू ऊपरी सभी कार्य करने हेतु 12वीं पास जिम्मेदार महिला चाहिए। सम्पर्क करें- 70671 24226 (42176)

आवश्यकता है- अनुभवी रिसेप्शनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क मार्केटिंग, OT टेक्नीशियन, अनुभवी फार्मासिस्ट (मेडिकल स्टोर हेतु) पता- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (1765)

आवश्यकता है- हिन्दी, अंग्रेजी टाइपिंग, एकाउंट्स का जानकार उम्र 30-50, अनुभव- 5वर्ष, सभी नशों से दूर सम्पर्क करें- एसपी चतुर्वेदी, फ्लैट नं-801, घनश्याम होम्स, यूनीयन बैंक के सामने, व्यापार विहार, बिलासपुर 9993087654 (1769)

आवश्यकता है- बिलासपुर में घर की साफ सफाई करने हेतु लड़की/ महिला कर्मचारी की आवश्यकता है। समय सुबह 8बजे से शाम 4बजे तक। वेतन 8000 प्रतिमाह। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9244664654, 91095 11248 (1506)

URGENT REQUIREMENT
Civil Engineer, Site Supervisor & Plumber
-:Work:-
Civil Construction Works (GOVT.)
Location: Jashpur and Raipur
Salary:- Negotiable
Interested Candidates Email or WhatsApp
WhatsApp 9907265169 6260469972
-:E-mail:-
jobs.saecr@gmail.com

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में काम करने के लिए 4 लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पूनम इलेक्ट्रॉनिक्स गांधी चौक बिलासपुर (42177)

आवश्यकता है- रियल इस्टेट कम्पनी में ऑफिस कार्य करने हेतु शिक्षित अनुशासित स्मार्ट युवती की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सकरी आसमां सिटी के पीछे बिलासपुर 8319734999 (42180)

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन एवं शैड कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे, उमेश इंजीनियरिंग धुरीपारा मंगला बिलासपुर 9098220011, 8085888288 (सीजन में वेतन बढ़ाकर दिया जाएगा) (42162)

आवश्यकता है- घरेलू सभी काम करने हेतु फुल टाइम/ हाफ टाइम के लिए विश्वसनीय एवं जिम्मेदार व्यक्ति की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार स्थान- लिंक रोड, बिलासपुर। सम्पर्क करें- 8109961697 (42173)

आवश्यकता है- एस.एस. पब्लिक स्कूल, बैमा- नगोई, बिलासपुर में मैथ्स, अंग्रेजी फिजिक्स, हिन्दी, संस्कृत टीचर (6वीं से 10वीं), नर्सरी से LKG हेतु मदर टीचर, कम्प्यूटर अनुभवी ऑफिस स्टाफ चाहिए सम्पर्क करें- 7697425610 (42163)

आवश्यकता है- साड़ी शोरूम में कार्य करने हेतु लड़का एवं लड़की हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शिखा सिल्क्स, श्री राम क्लाथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर (42169)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला कर्मचारी की आवश्यकता है समय सुबह 9बजे से 12बजे तक वेतन 6000 रुपए स्थान कपिल चौक के पास शास्त्री नगर बिलासपुर मो. 9907999760 (42161)

आवश्यकता है- पीटर इंग्लैंड मेन्स वियर शोरूम में सेल्स कार्य करने के लिए सेल्समैन/ सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- पीटर इंग्लैंड राजीव प्लाजा बिलासपुर 9827922881 (42164)

आवश्यकता है- प्रातः 8बजे से रात्रि 8बजे तक बुजुर्ग की देखभाल हेतु पुरुष नर्सिंग स्टाफ चाहिए। आधार कार्ड की फोटोकॉपी सहित सम्पर्क करें- मकान नम्बर F-42 रामा वर्ल्ड रायपुर रोड बिलासपुर 91118 48701 (42166)

आवश्यकता है- क्लिनिक में काम करने के लिए एक रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है जो ईसीजी एवं ईको आदि करने में सहयोग कर सके। संपर्क करेंः एपीटॉम हार्ट क्लिनिक 8962311923, 75871 34363 (42151)

आवश्यकता है- ईरिक्शा ड्राइवर (महिला/ पुरुष) सुपरवाइजर, मार्केटिंग सेल्स मैनेजर (मेल/ फीमेल) सैलरी 10000+ तत्काल सम्पर्क करें- कल्याण ज्वैलरी के सामने अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177, 78058 84040 (बायोडाटा व्हाट्स एप्प करें) (42155)

आवश्यकता है-मंथली एवं लॉग टूर में गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवरों और ऑफिस में कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-बिलासपुर 9300672005 (41980)

आवश्यकता है- 1. सुरक्षा गार्ड 28 वेतन 17000 2. कप्यूटर ऑपरेटर 3 अनुभव 2 वर्ष टेंडर कार्य, ऑनलाइन, जेम, ऑफलाइन वेतन 20000 3. मार्केटिंग ऑफिसर 4.वेतन 40000 अनुभव 3 वर्ष मार्केटिंग कार्य योग्यता MA/ MBA संपर्क करे- Alert sgs private limited कार्यालय : प्रथम तल 06 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर छत्तीसगढ 7746000016, 77470 00016 (815)

आवश्यकता है-रेडीमेड रिटेल शॉप में कार्य करने के लिए सेल्समैन, सेल्सगर्ल की आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सारथी रेडीमेड शोरूम श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 8319617107, 9827112950 (42138)

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 9340969592, 7828803577 (42165)

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में लड़कों, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संध्या ज्वेलरी एण्ड कॉस्मेटिक श्रीराम क्लॉथ मार्केट, अग्रसेन चौक बिलासपुर (प्रातः 11बजे के पहले फोन ना करें) 9691083080, 79874 23847 (42167)

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की (योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट) एवं टैली एकाउंटिंग डेटा एंट्री ऑपरेटर तथा अच्छा ड्राइवर चाहिए सम्पर्क करें- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 98933 67787 (42160)

आवश्यकता है- FMCG कम्पनी में 1वर्ष अनुभवी सेल्समैन-3, ऑफिस में स्टॉक लिखने निकालने हेतु 3 लड़कियां, लोडिंग अनलोडिंग हेतु ऑफिस बॉय-5, एकाउंटेंट-1, ड्राइवर-2, वेतन-योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- व्यापार विहार, बिलासपुर 07752411422 (42154)

आवश्यकता है-सिविल इंजीनियर - ऑटो कैड, स्ट्रक्चरल ड्रॉइंग तथा साइट मैनेजमेंट अनुभवी एवं सिविल साइट सुपरवाइजर- निर्माण कार्य तथा स्वतंत्र रूप से साइट संचालन का अनुभवी। वेतन–योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (42094)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट ऑफिस में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- डी-ब्लॉक शॉप नम्बर 402, 4th फ्लोर, सत्यम चौक बिलासपुर 8461997770 (42159)

बेचना है

बेचना है- सैदा मुख्य मार्ग से लगी 13080 वर्गफुट 30डिस. फ्रंट-97 सकरी रायपुर बाईपास से 300मी. डबल रोड कमर्शियल जमीन 850/- फुट दीपावली तक रजिस्ट्री पर एक्टिवा फ्री। सम्पर्क - पलक बजाज 9098175525 (1768)

बेचना है- 10×14 दुकान छत नहीं नरेश बाजार के अन्दर मां शारदा कॉम्प्लेक्स तेलीपारा में, 10x14 दुकान मेन रोड पर (दीदी गारमेन्ट) गुरुनानक चश्मा के पास सदर बाजार में। सम्पर्क- 9827938236, 8770963388 (42147)

बेचना है- यदुनन्दन नगर तिफरा में डायवर्टेड प्लाट/ जमीन और मेन रोड पर 2BHK मकान दुकान सहित बेचना है सम्पर्क करें- कृत्या कन्सल्टेंसी बिलासपुर 9826314444 (42168)

बेचना है- बिलासपुर में प्लॉट बेचना है (1) सकरी रोड रामा लाइफ सिटी 1745 (30×60) वर्गफुट (2) रामा वर्ल्ड तिफरा 6200 (79×79) वर्गफीट (3) व्यापार विहार 4374 (54×81) वर्गफुट सम्पर्क- 8770994394, 8815192718 (42153)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 75 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 7-8 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
ब्रेस्ट टोनर क्रिम
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

यौन रोग व यौन कमजोरी
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.बी. अग्रवाल (BAMS MD) (यौन रोग विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वस्थ्य क्लिनीक के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
98271-99213,94255-55659
96177-89223,93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय दोपहर 12 से 7 बजे तक

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो.-9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो.-9303508230

- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-मो.-9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:-मो.-9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-मो.-9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-मो.-9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:-मो.-9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:-मो.-9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:-मो.-9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-मो.-9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-मो.-9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:-मो.-9425540759
- अमित पब्लिकेशन:-मो.-9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:-मो.-9302462506
- माधवास & कम्पनी:-मो.-9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:-मो.-9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:-मो.-8109229025



13 वर्षीय ओजस्वनी ने रचा इतिहास

इंडियन ओपन के कट में प्रवेश

एजेंसी ▶▶| गुरुग्राम

भारत की 13 वर्षीय गोल्फर ओजस्वनी सारस्वत ने महिला यूरोपीय टूर (एलईटी) प्रतियोगिता इंडियन ओपन के कट में जगह बनाकर पहले ही इतिहास रच दिया है और अब उनका लक्ष्य विश्व में नंबर एक खिलाड़ी बनने और अपने आदर्श नीरज चोपड़ा की तरह ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना है। ओजस्वनी महिला गोल्फ के इतिहास में एलईटी प्रतियोगिता में कट बनाने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं।

उनसे पहले आरिया जुतानगर्न ने 2008 में 12 साल की उम्र में फिनएयर मास्टर्स के कट में जबह बनाकर यह उपलब्धि हासिल की थी।

विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनना लक्ष्य

ओजस्वनी ने कहा, 'कट में जगह बनाकर मैं बहुत खुश हूं। यह तो बस शुरुआत है। मेरा लक्ष्य भारत में और फिर विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनना है। मैं एक दिन विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं।' उन्होंने कहा, ' मैं भारत की ध्वजवाहक बनना चाहती हूं और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना चाहती हूं। यह मेरा सबसे बड़ा सपना है।'

नीरज चोपड़ा मेरे प्रेरणास्रोत : ओजस्वनी

ओजस्वनी ने कहा, 'नीरज चोपड़ा मेरे प्रेरणास्रोत हैं क्योंकि वह ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। मैंने उनकी मानसिकता को समझा है। मुझे लगता है कि सभी खेल काफी हद तक एक जैसे होते हैं और इसलिए मानसिकता भी लगभग एक जैसी ही होती है। जब उन्होंने स्वर्ण पदक जीता तो वह मेरे प्रेरणास्रोत बन गए।'

जापान ओपन की नई क्वींन बनीं कैटरीना

फाइनल में यूएसए की एशलिन क्रूगर को हराया

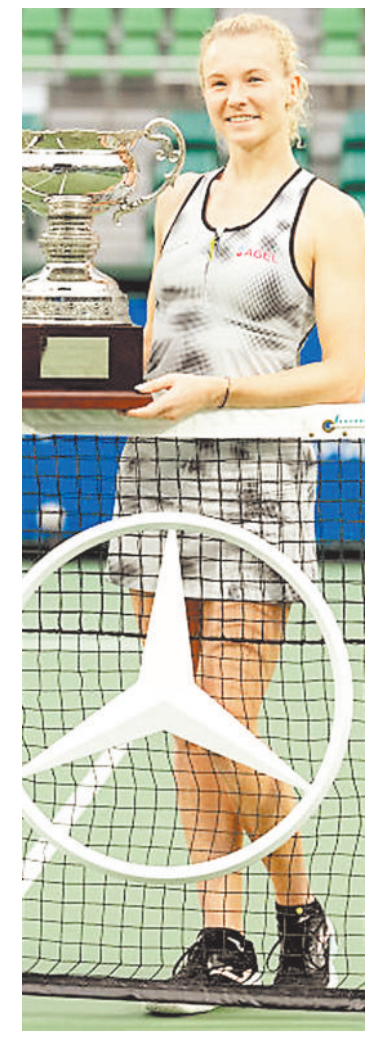

एजेंसी ▶▶| ओसाका

चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने रविवार को सीधे सेटों में जीत हासिल करने जापान ओपन के रूप में तीन साल में अपना पहला एकल खिताब जीता। सिनियाकोवा ने फाइनल में एशलीन क्रूगर को आसानी से 6-1, 6-0 से हराया। यह मैच 64 मिनट तक चला।

लगातार 10 गेम जीतकर मुकाबले किया अपने नाम

मैच में शुरुआती बढ़त 2-1 होने के बाद सिनियाकोवा ने लगातार 10 गेम जीतकर मुकाबले को अपने नाम किया। डबल्स रैंकिंग में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सिनियाकोवा ने 16 विनर्स लगाए, जबकि उन्होंने 19 अनफोर्स्ड एरर (बिना दबाव की गई गलतियां) कीं। वहीं, अपने तीसरे डब्ल्यूटीए टूर-लेवल फाइनल में खेल रहीं एशलिन क्रूगर 10 विनर्स ही लगा सकीं और उनसे 34 अनफोर्स्ड एरर हुए, जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। तीन वर्षों में यह सिनियाकोवा का पहला टूर-लेवल सिंगल्स फाइनल था। वह 2016 में 'जापान विमेंस ओपन' (मौजूदा टूर्नामेंट का ही पुराना रूप) में उपविजेता रही थीं, इस तरह 10 साल बाद वह फिर से यहां फाइनल में पहुंचीं।

मैंने सच में मैच का आनंद लिया

सिनियाकोवा ने कहा, मुझे याद नहीं कि मैंने आखिरी बार कब इतना अच्छा खेला था। सब कुछ मेरे पक्ष में हो रहा था, इसलिए मैंने सच में इसका आनंद लिया। मुझमें बहुत आत्मविश्वास था। मैंने जिस तरह से खेला, उस पर मुझे बहुत गर्व है।

22 नवंबर को असम राइफल्स हाफ मैराथन



नई दिल्ली। असम राइफल्स की छठी हाफ मैराथन 22 नवंबर को शिलांग में आयोजित की जाएगी, जिसमें रिकॉर्ड भागीदारी होने की उम्मीद है। असम राइफल्स हाफ मैराथन (एआरएचएम) के दौरान शिलांग में सरकार, सशस्त्र बलों और विभिन्न क्षेत्रों से कई गणमान्य व्यक्तियों के उपस्थित होने की उम्मीद है। इस हाफ मैराथन में 12 से लेकर 60 वर्ष से अधिक आयु के 4000 से अधिक धावक तीन अलग-अलग वर्गों पांच किमी, 10 किमी और 21 किमी में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसकी पुरस्कार राशि 25 लाख रुपए है। यह घोषणा दिल्ली कैंट स्थित असम राइफल्स कार्यालय में उद्घाटन समारोह के दौरान की गई। असम राइफल्स हाफ मैराथन की शुरुआत 2021 में की गई थी।



1 घंटा 16 मिनट चले मुकाबले में रयबाकिना ने फर्नांडीज को दी मात

निंगबो ओपन में रयबाकिना का दबदबा जीता साल का शानदार चौथा खिताब



एजेंसी ▶▶| निंगबो

दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एलेना रयबाकिना ने कनाडा की लेयला फर्नांडीज को हराकर 'निंगबो ओपन' खिताब बरकरार रखा। रविवार को निंगबो स्थित सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में रयबाकिना ने फर्नांडीज को 6-2, 6-2 से मात दी।

यह मुकाबला 1 घंटा 16 मिनट तक चला। इस जीत के साथ रयबाकिना ने इस साल अपना चौथा खिताब जीता। रयबाकिना ने मैच के दौरान वर्ल्ड नंबर-30 खिलाड़ी फर्नांडीज की सर्विस को चार बार तोड़ा (हर सेट में दो-दो बार), और इस तरह निंगबो में लगातार दूसरी बार खिताब जीता।

बेहतरीन फॉर्म में रयबाकिना

कजाकिस्तान की खिलाड़ी एलेना रयबाकिना को पहले सेट की शुरुआत में थोड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जब उन्हें लगातार ब्रेक प्वाइंट्स बचाने पड़े। हालांकि, उन्होंने शानदार खेल दिखाया और लगातार पांच गेम जीतकर पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी रयबाकिना बेहतरीन फॉर्म में दिखीं और अपना दबदबा बनाए रखा। वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी ने दूसरे सेट में फर्नांडीज की सर्विस दो बार तोड़ी और आसानी से मैच जीत लिया।



यहां का माहौल शानदार : एलेना

खिताबी जीत के बाद रयबाकिना ने कहा, आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। यहां का माहौल शानदार है। आप लोगों के सामने खेलकर बहुत अच्छा लगता है। आप लोग हमेशा मुझे खेलते रहने के लिए काफी प्रेरणा और ऊर्जा देते हैं। यहां खेलते हुए यह मेरा दूसरा साल है और यह मेरी दूसरी जीत है। यह जगह मेरे लिए बहुत खास है। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

एलेना के कॅरियर का 15वां टूर-लेवल खिताब

यह इस सीजन में उनका चौथा खिताब है और उनके कॅरियर का 15वां टूर-लेवल खिताब है। अब उनके नाम सात डब्ल्यूटीए 500 ट्रॉफी हो गई हैं, जिनमें से दो निंगबो में जीती गई हैं। इससे पहले, इस साल रयबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन, स्टटगार्ट और यूएस ओपन जीता था। फ्लशिंग मीडोज (यूएस ओपन) के दौरान ही वह 'वर्ल्ड नंबर 1' खिलाड़ी बनी थीं। यह कनाडाई खिलाड़ी के खिलाफ रयबाकिना की लगातार तीसरी टूर-लेवल जीत है। 'हेड-टू-हेड' मुकाबलों में अब रयबाकिना 4-2 से आगे हैं। कजाख खिलाड़ी ने पिछले साल निंगबो में भी जीत हासिल की थी और अब वह एशियन डब्ल्यूटीए 500 इवेंट में लगातार 8 जीत (8-0) के सिलसिले पर हैं।

अल्माटी ओपन : युकी ने जीता युगल का खिताब



अल्माटी। भारत के नंबर एक युगल खिलाड़ी युकी भांबरी ने अमेरिका के अपने जोड़ीदार रयान सेगरमैन के साथ मिलकर अल्माटी ओपन एटीपी 250 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब जीता। भारत और अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और नील ओबरलीट्नर की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को एक रोमांचक फाइनल में 7-6(3), 6-7(1), 10-2 से हराया। भांबरी का यह वर्ष 2026 का पहला एटीपी टूर खिताब है। यह एटीपी टूर पर उनका करियर का कुल पांचवा युगल खिताब है। भांबरी ने इससे पहले 2023 में मालोर्का में, 2024 में गस्टाड और न्यूनिख में और 2025 में एटीपी 500 दुबई टूर्नामेंट में एटीपी 250 खिताब जीते थे। न्यूजीलैंड के अपने साथी माइकल वीनस के साथ एटीपी 250 जिनेवा ओपन में उपविजेता रहने के बाद 34 वर्षीय भांबरी का एटीपी टूर्नामेंट में यह इस सत्र का दूसरा फाइनल था। भांबरी फरवरी में अपने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग 18 पर पहुंचे थे लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन अनुकूल नहीं रहा, जिससे वह शीर्ष 40 से बाहर हो गए।

कश्मीर मैराथन में शामिल हुए सैकड़ों प्रतिभागी



श्रीनगर। कश्मीर मैराथन के तीसरे सत्र में रविवार को सैकड़ों पुरुषों और महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों ने हिस्सा लिया, जिसे जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़े एथलेटिक्स आयोजनों में से एक माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विभिन्न श्रेणियों में पदक जीतने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागी के दृढ़ संकल्प और जज्बे का भी उत्सव मनाया गया। सिन्हा ने पुरस्कार वितरित करने के बाद कहा, 'आज कश्मीर मैराथन के पदक विजेताओं को सम्मानित किया। मैं प्रत्येक प्रतिभागी को सलाम करता हूं जिनके दृढ़ संकल्प ने इस आयोजन को मानवीय भावना का सच्चा उत्सव बना दिया।' उन्होंने कहा कि कश्मीर मैराथन ने जम्मू-कश्मीर के प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नए अवसर खोले हैं और श्रीनगर को वैश्विक दौड़ मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में मदद की है।



एशिया कप राइजिंग में भिड़ेंगे भारत और पाक

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत ए 19 नवंबर से दोहा में शुरू होने वाले 50 ओवर के एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में 22 नवंबर को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान टूर्नामेंट में अपनी ए टीमें उतारेंगे, जबकि नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और हांगकांग के अपनी सबसे मजबूत टीमें भेजने की संभावना है।

भारत ए को पाकिस्तान ए, नेपाल और यूएई के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। श्रीलंका ए, बांग्लादेश ए, अफगानिस्तान ए और हांगकांग ग्रुप ए में हैं। भारतीय टीम 20 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद उसका सामना पाकिस्तान ए (22 नवंबर) और यूएई (24 नवंबर) से होगा। दोनों ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2013 में एसीसी इमर्जिंग टीम एशिया कप के रूप में हुई थी। अब तक इसके सात टूर्नामेंट आयोजित किए जा चुके हैं, जिसमें भारत ने केवल एक बार जीत हासिल की है।

फ्रेंच ओपन

खिताबी मुकाबले में चूकीं सिंधू आन से यंग बनीं चैंपियन



एजेंसी ▶▶| पेरिस

पीवी सिंधू ने रविवार को 9.5 लाख अमेरिकी डॉलर के फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग से तीन गेम में हारकर उपविजेता रहीं। भारतीय खिलाड़ी को ओलंपिक चैंपियन आन से यंग के खिलाफ 21-16, 11-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ आन ने अपना चौथा फ्रेंच ओपन खिताब और इस सत्र का 11वां खिताब अपने नाम किया।

20 मिनट में जीता पहला गेम

सिंधू ने शानदार शुरुआत की और अपनी लंबाई तथा आक्रामक शॉट्स का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए 20 मिनट में पहला गेम जीत लिया। उनके करियर में यह केवल दूसरी बार था जब वह कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ कोई गेम जीतने में सफल रही थीं। हालांकि आन के खिलाफ 11 मुकाबलों में वह अब तक उन्हें एक बार भी नहीं हरा पाई हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच नेट पर कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। एक समय स्कोर 4-4 से 7-7 तक पहुंच गया। ऐसे ही एक रैली के दौरान आन के शॉट पर शटल सिंधू के चेहरे पर जा लगी। ब्रेक तक सिंधू ने क्रॉस-कोर्ट स्मैश की मदद से दो अंक की बढ़त बना ली।

पडिक्कल और सुदर्शन की जुझारू पारी, इंडिया ए को संकट से उबारा

एजेंसी:लिंकन

देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने जुझारू बल्लेबाजी करते हुए भारत ए को न्यूजीलैंड ए के खिलाफ रविवार को चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन शुरुआती झटकों से उबारा। पहली पारी में 113 रन पर आउट होने वाली भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक एक अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 106 रन बनाए हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड ए ने अपनी पहली पारी में 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी। इस तरह से भारतीय टीम अभी उससे 98 रन पीछे है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (05) और केएल राहुल (04) मैच में दूसरी बार फ्लॉप रहे, जिससे भारतीय टीम दूसरी पारी में 10 रन पर 2 विकेट गंवाने से संकट में पड़ गई। इसके बाद पडिक्कल (89 गेंदों पर नाबाद 56 रन) और सुदर्शन (104 गेंदों पर नाबाद 39 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 96 रन की अटूट साझेदारी करके पारी को संभाला। इस साझेदारी में पडिक्कल अधिक आक्रामक खेले। उन्होंने अभी तक अपनी पारी में 9 चौके लगाए हैं, जबकि सुदर्शन ने 5 चौके जड़े हैं। पडिक्कल ने पहली पारी में भी 77 गेंद पर 32 रन बनाए थे और तब उन्होंने लगभग दो घंटे क्रीज पर बिताए थे।



करण सिंह ने हासिल किया साल का चौथा खिताब

आईटीएफ टेनिस टूर एम25 के चैंपियन बने करण

एजेंसी ▶▶| मुंबई

करण सिंह ने आईटीएफ सर्किट पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। रविवार को कूपरेज स्थित महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में आयोजित 30,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले 'आईटीएफ मेंस वर्ल्ड टेनिस टूर एम25' टूर्नामेंट में उन्होंने सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया।

तीसरी वरीयता प्राप्त करण ने फाइनल में अपनी एकेडमी के साथी खिलाड़ी दिग्विजय प्रताप सिंह को हराया। दूसरे सेट में जब करण 7-5, 3-1 से आगे चल रहे थे, तब दिग्विजय को मैच से रिटायर होना पड़ा। यह 2026 सीजन में करण का चौथा खिताब है। 23 वर्षीय खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से बेहतरीन फॉर्म में हैं। मुंबई में मिली यह जीत पिछले दो महीनों में उनका दूसरा खिताब है और वे इस दौरान चौथी बार फाइनल में पहुंचे हैं।



पहला सेट में हुई कड़ी टक्कर

आउटडोर हार्ड कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में, दोनों खिलाड़ियों के बीच पहला सेट काफी कड़ा रहा। एक घंटे से अधिक समय तक चले इस सेट में आखिरकार करण ने बाजी मारी और इसे 7-5 से जीत लिया। इसी लय को बरकरार रखते हुए, करण ने दूसरे सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। तभी दुर्भाग्यवश, 1 घंटे 32 मिनट के खेल के बाद दिग्विजय को मैच से हटना पड़ा, जिससे करण को आधिकारिक तौर पर चैंपियनशिप ट्रॉफी मिल गई।

पूरे टूर्नामेंट में नहीं गंवाया सेट

मुंबई में खेले गए पूरे टूर्नामेंट के दौरान करण ने एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने 'राउंड ऑफ 32' में नितिन कुमार सिन्हा को 6-4, 6-4 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। 'राउंड ऑफ 16' में उन्होंने शानदार सर्विस का प्रदर्शन किया और क्वालीफायर आदिल कल्याणपुर को 1 घंटे 38 मिनट में 7-5, 6-3 से हरा दिया। क्वार्टर फाइनल में सातवीं वरीयता प्राप्त सिद्धार्थ रावत के मैच से हटने (3-4 रिटायर्ड) के बाद आगे बढ़े करण ने सेमीफाइनल में चिराग दुहन के खिलाफ बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी सर्विस पर 100 प्रतिशत होल्ड रेट बनाए रखा। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने दुहान को 6-3, 6-2 से हराया और केवल 1 घंटे 19 मिनट में फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

प्रकृति में कई ऐसे पेड़-पौधे मौजूद हैं, जो देखने में बेहद खूबसूरत और साधारण लगते हैं, लेकिन उनके भीतर छिपे गुण जानलेवा भी हो सकते हैं। केरल के तटीय इलाकों और बैकवाटर्स के आसपास पाया जाने वाला ओथालंगा का पेड़ इसका एक उदाहरण है।

दिखता है आम पेड़ जैसा, फल खाते ही हो जाती है इंसान की मौत!

नई दिल्ली। इसकी हरी-भरी पत्तियां, सफेद फूल और आम जैसे दिखने वाले फल पहली नजर में किसी का भी ध्यान खींच सकते हैं। हालांकि, इसकी खूबसूरती के पीछे एक गंभीर खतरा छिपा है। यही वजह है कि इसे अंग्रेजी में 'सुसाइड ट्री' भी कहा जाता है।

ओथालंगा का वैज्ञानिक नाम सेर्बेरा ओडोलम है। यह एपोसिनेसी परिवार का पौधा है, जिसमें कई जहरीली प्रजातियां शामिल हैं। इसे अंग्रेजी में सी मैंगो यानी समुद्री आम के नाम से भी जाना जाता है। यह पेड़ दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के क्षेत्रों में पाया जाता है। केरल के तटीय इलाकों में भी इसकी मौजूदगी देखी जाती है। इस पेड़ के फल बाहर से सामान्य दिखाई दे सकते हैं, लेकिन इनके बीजों में सेरबेरिन नाम का जहरीला पदार्थ पाया जाता है। यह कार्डियक ग्लाइकोसाइड समूह का एक यौगिक है, जो दिल की सामान्य कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है।

ये है देश का सबसे जहरीला प्लांट



दिल की धड़कनों पर पड़ता है जहरीले तत्व

सेरबेरिन शरीर की कोशिकाओं में सोडियम और पोटैशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन को बनाए रखने वाली प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है। इसका असर हृदय की विद्युत गतिविधियों पर पड़ता है, जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है। गंभीर मामलों में यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट जैसी जानलेवा समस्या का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों के लिए इस तरह के विषाक्त प्रभावों की पहचान करना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि इसके लक्षण कई दूसरी गंभीर चिकित्सकीय स्थितियों से मिलते-जुलते हैं।

खूबसूरत दिखने वाले फल से रहें सावधान

ओथालंगा का पेड़ हमें याद दिलाता है कि प्रकृति में दिखाई देने वाली सुंदरता हमेशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती। इसके फल या बीजों को बिना सही जानकारी के छूने या खाने के प्रयोग नहीं करने चाहिए। खासकर बच्चों को ऐसे अनजान फलों से दूर रखना जरूरी है। अगर किसी व्यक्ति को इस पौधे का फल या बीज खाने का संदेह हो, तो लक्षणों का इंतजार किए बिना तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। समय पर पहचान और इलाज गंभीर परिणामों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।



मौत की असली वजह का पता लगाना क्यों है मुश्किल?

ओथालंगा से जुड़े मामलों में फोरेंसिक जांच की भूमिका बेहद अहम हो जाती है। यदि जांच करने वालों को इस पौधे से विष की आशंका न हो, तो मौत की वास्तविक वजह पहचानना कठिन हो सकता है। सही निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए मेडिकल हिस्ट्री, घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य, पोस्टमॉर्टम के निष्कर्ष और विशेष टॉक्सिकोलॉजिकल जांच को एक साथ देखना जरूरी है। सेरबेरिन की पहचान के लिए सामान्य डिगॉक्सिन टेस्ट पर अकेले निर्भर रहना भी काफी नहीं है। डिगॉक्सिन एक अलग कार्डियक ग्लाइकोसाइड है और उसके परीक्षण को सेरबेरिन की पुष्टि का विश्वसनीय विकल्प नहीं माना जा सकता।

रोचक खबरें

तुर्की बन सकता है रेयर अर्थ का बड़ा प्लेयर
किजिलकाओरेन भंडार पर रिसर्च



अंकारा। तुर्की जल्दी ही रेयर अर्थ (दुर्लभ मृदा तत्वों) के अहम स्रोत के रूप में उभर सकता है। तुर्की के दुनिया में मची रेयर अर्थ की होड़ में शामिल होने की संभावना देश के 'किजिलकाओरेन' भंडार पर हुए शोध की वजह से है। चीनी शोधकर्ताओं ने तुर्की के सबसे महत्वपूर्ण ज्ञात रेयर अर्थ भंडार किजिलकाओरेन का अध्ययन किया है। उन्होंने इस भंडार के जटिल भूवैज्ञानिक विकास का खाका तैयार किया है। यह रेयर अर्थ आधुनिक समय में बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

यह शोध इस बात पर रोशनी डालता है कि कार्बोनेटाइट से जुड़ी संरचनाओं में रेयर अर्थ तत्व किस तरह जमा होते हैं। साथ ही यह उन देशों के सामने खड़े सवाल से जुड़ा है, जो अपने महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश में हैं। यानी इसके रास्ते में आने वाली भूवैज्ञानिक और आर्थिक बाधाएं वास्तव में कितनी कठिन हैं। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इस खनिज को सफलता से निकालकर इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

तुर्की में हुई ज्वाइंट रिसर्च : फर्स्टपोस्ट के मुताबिक, यह शोध पत्र चीन और तुर्की के वैज्ञानिकों ने किया है। साइट के इतिहास का पुनर्निर्माण करने के लिए टीम ने संपूर्ण चट्टान भू-रसायन, खनिज विश्लेषण, फ्लोराइट के ट्रेस-तत्व माप और स्ट्रोंटियम आइसोटोप डेटा को संयोजित किया। इससे उन्हें मैग्मा के प्रारंभिक निक्षेपण से लेकर बाद के जलतापीय खनिजकरण तक निक्षेप का पता लगाने में मदद मिली। इसमें उन्होंने तीन चरणों की पहचान की। कार्बोनेटाइट मैग्मा ने सबसे पहले आसपास की चट्टानों में प्रवेश किया, जिससे खनिजकरण की परिस्थितियां बनीं। जैसे-जैसे मैग्मा विकसित हुआ तो दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, फ्लोरीन और सल्फेट से समृद्ध हाइड्रोथर्मल द्रव बने। इससे धातुओं का परिवहन और संकेंद्रण हुआ। आखिर में उल्कापिंडीय वर्षा का जल इस प्रणाली में प्रवेश कर गया।

भंडार और माइनिंग का फर्क

एक भंडार (डिपॉजिट) के बारे में पता होना और उसका खनन अलग है। भंडार के बनने की प्रक्रिया और यह साबित करना कि उसका आर्थिक रूप से खनन किया जा सकता है, दोनों अलग हैं। किजिलकाओरेन में 4.67 मिलियन टन रेयर अर्थ अयस्क है। इसमें 'रेयर अर्थ ऑक्साइड' का औसत ग्रेड 2.78 प्रतिशत है। यह आंकड़ा अयस्क की मात्रा को दर्शाता है। दुनिया के प्रमुख भंडारों की तुलना में इसका पैमाना काफी छोटा लगता है। रिसर्चर यांग ने बताया कि किजिलकाओरेन उसी श्रेणी (मैग्मैटिक कार्बोनेटाइट) में आता है। इसमें चीन के सिचुआन प्रांत का माओनिउपिंग भंडार है। हालांकि इनर मंगोलिया में मौजूद विशाल बयान ओबो भंडार से यह काफी अलग है। किजिलकाओरेन, बयान ओबो से अलग है।

23 देशों की यात्रा कर मणिपुर पहुंचे अपापांग और अलांग बाज, दीमक खाकर भरेंगे पेट



नई दिल्ली। चीन से उड़े और 11 दिनों का सफर तय कर आखिरकार 'अपापांग' और 'अलांग' मणिपुर पहुंच गए हैं। ये कोई आम सैलानी नहीं, बल्कि 'अमूर फाल्कन' (बाज) हैं। पिछले साल नवंबर 2025 में वैज्ञानिकों ने इन्हें ट्रैक करने के लिए रेडियो टैग लगाया था। तब से लेकर अब तक, एशिया और अफ्रीका के 23 देशों की उड़ान भरकर ये नन्हे बाज वापस अपने ठिकाने पर लौट आए हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी है।

पहाड़ों में दावत उड़ाएंगे बाज

मणिपुर के तामेंगलोंग जिले के खूबसूरत पहाड़ों में अब इन मेहमानों का डेरा होगा। यहां ये करीब दो से तीन हफ्ते रुकेंगे। स्थानीय लोग हर साल पलकें बिछाकर इनका इंतजार करते हैं और इनकी सुरक्षा का पूरा जिम्मा उठाते हैं। यहां मिलने वाले दीमक इन बाजों का मुख्य भोजन हैं। इन्हें खाकर ये अपनी अगली और सबसे मुश्किल यात्रा के लिए जरूरी ताकत और चर्बी (फैट) जुटाएंगे।

6 दिन की बिना रुके उड़ान

यहां से आराम करने के बाद इनका अगला पड़ाव सोमालिया होगा। यह सफर आसान नहीं है। इन्हें करीब 6 हजार किलोमीटर का सफर बिना रुके लगातार उड़कर तय करना होगा, जिसमें 3 हजार किलोमीटर की खतरनाक अरब सागर की उड़ान भी शामिल है। बिना रुके 6 दिनों तक लगातार उड़ने की इनकी यह काबिलियत वाकई कुदरत का एक करिश्मा है।

भविष्यवाणी

नास्त्रेदमस की ये दो भविष्यवाणियां हुईं सच!

क्या छिड़ने वाला है विनाशकारी युद्ध दुनिया में मचेगी भयानक तबाही?

पेरिस। फ्रांस के मशहूर भविष्यवक्ता माइकल दि नास्त्रेदमस की भविष्यवाणों पर पूरी दुनिया यकीन करती है। उन्होंने अपनी भविष्यवाणी में 2026 को मानव इतिहास का सबसे भयानक साल बताया था। नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणियों में कहा था कि साल 2026 में तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। यह युद्ध दुनिया के लिए बेहद खतरनाक और विनाशकारी हो सकता है। उन्होंने यह भी आशंका जताई थी कि धर्म और राष्ट्रवाद के नाम पर हिंसा भड़केगी। अब कहा जा रहा है कि नास्त्रेदमस की दो बड़ी भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी हैं।

लोकप्रिय नेता की हो सकती है हत्या : नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणी में यह भी दावा किया था कि साल 2026 में दुनिया के किसी बड़े और लोकप्रिय नेता की हत्या हो सकती है। इसके कारण उस देश में सत्ता परिवर्तन हो सकता है।



समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ सकता है

नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणियों में कहा था कि युद्ध का असर समुद्री मार्गों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा था किसी एक देश की गलती की वजह से समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाला दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण और रणनीतिक समुद्री मार्ग है। अमेरिका और ईरान में जारी तनाव के कारण यह मार्ग प्रभावित हुआ है, जिसके कारण पूरी दुनिया में तेल का संकट छाया है।

दुनिया में छा सकता है आर्थिक संकट : नास्त्रेदमस ने अपनी एक भविष्यवाणी में कहा था कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके पूरी दुनिया प्रभावित होगी और जनता को महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी। समुद्री मार्गों और बंदरगाहों पर तनाव के कारण खाद्य पदार्थों समेत अन्य चीजों की सप्लाई बाधित होगी, जिससे कीमतें बढ़ेंगी। आर्थिक दबाव के कारण दुनिया की कई राजनीतिक पार्टियों और प्रभावशाली नेताओं का पतन हो सकता है। अब दावा किया जा रहा है कि नास्त्रेदमस की समुद्री मार्गों पर तनाव और दुनिया में आर्थिक संकट की भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं।

नास्त्रेदमस कौन थे?

फ्रांस के रहने वाले नास्त्रेदमस का जन्म 14 दिसंबर, 1503 को हुआ था। देश के एक छोटे-से गांव सेंट रेमी में जन्मे नास्त्रेदमस बेहद कम उम्र में ही भविष्यवाणियां करने लगे थे। पेशे से नास्त्रेदमस एक डॉक्टर और शिक्षक थे। सदियों बाद भी लोग उनकी भविष्यवाणियों पर यकीन करते हैं। उन्होंने साल 1566 में दुनिया को अलविदा कह दिया था।



शुरू होगा भयानक युद्ध

नास्त्रेदमस ने कहा था कि 2026 में भयानक युद्ध की शुरुआत होगी, जो सात महीने तक चलेगा। उन्होंने यह भी दावा किया था कि इसी साल तीसरा विश्व युद्ध भी शुरू हो सकता है। उनका कहना था कि ऐसा हालात उत्पन्न होंगे तीसरे विश्व युद्ध को होने से कोई नहीं रोक सकता है। उनका कहना है कि राष्ट्रवाद और धर्म के नाम पर हर तरफ हिंसा होगी। इंसान ही इंसान के दुश्मन बन जाएंगे, जिससे मानव सभ्यता विनाश की तरफ जा सकती है।

भारतीय को पहली बार मिला प्रतिष्ठित ऑस्कर क्लेन मेडल



वॉशिंगटन। भारतीय भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर अशोक सेन को 2026 के लिए प्रतिष्ठित ' ऑस्कर क्लेन मेडल ' से सम्मानित किया गया है। वे यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाले पहले भारतीय भौतिक विज्ञानी बन गए हैं। यह पुरस्कार ' स्ट्रिंग थ्योरी ' (जो ब्रह्मांड की मूलभूत प्रकृति को समझाने का प्रयास करती है), 'ब्लैक होल एंट्रॉपी' और 'स्ट्रिंग फील्ड थ्योरी' में उनके अहम योगदान को मान्यता देता है। इन क्षेत्रों ने आधुनिक सैद्धांतिक भौतिकी को एक नई दिशा दी है।

कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र प्रोफेसर अशोक सेन को विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 2001 में पद्म श्री और 2013 में पद्म भूषण से नवाजा जा चुका है। उन्हें 2009 में इन्फोसिस पुरस्कार (गणितीय विज्ञान), 1994 में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, 1989 में आईसीटीपी पुरस्कार मिल चुका है। वर्तमान में सेन बेंगलुरु स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

हर साल दिया जाता है अवार्ड

'ऑस्कर क्लेन मेडल' हर साल स्वीडन की स्टॉकहोम यूनिवर्सिटी और 'रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज' की 'नोबेल कमिटी फॉर फिजिक्स' देती है। साल 1988 में शुरू किया गया यह पुरस्कार भौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। इसका नाम स्वीडिश सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी ऑस्कर क्लेन के नाम पर रखा गया है। इस पुरस्कार को पाने वालों में स्टीफन हॉकिंग, पीटर हिग्स, चेन-निंग यांग, स्टीवन वेनबर्ग और हंस बेथे जैसे नोबेल पुरस्कार विजेता शामिल हैं, जो इस सम्मान की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को दर्शाते हैं। बेंगलुरु स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज (आईसीटीएस) ने शनिवार को प्रोफेसर अशोक सेन को क्लेन मेडल से सम्मानित किए जाने की जानकारी दी है।

हरा एनाकोंडा को पकड़ने में वैज्ञानिकों के छूटे पसीने



लीमा। पश्चिमी अमेजन में हरा एनाकोंडा कहां पाया जाता है यह जानने के अलावा उसे ढूंढ़ने के लिए वैज्ञानिकों ने कड़ी मशक्कत की है। घनी जंगल, पानी में डूबा मलबा और छिपे हुए नदी के किनारे इस विशाल एनाकोंडा के छिपने के लिए एक शानदार जगह होता है। 2025 में 'जर्नल ऑफ नेचुरल हिस्ट्री' में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि पश्चिमी अमेजन में ये विशाल सरीसृप जलमार्गों और आस-पास की वनस्पति का उपयोग कैसे करते हैं।

पेरू के माद्रे दे दिओस क्षेत्र में शोधकर्ताओं ने 'पश्चिमी अमेजन में छिपे रहने वाले हरे एनाकोंडा जिसका नाम यूनेक्टेस मुरिनस है उसको लेकर एक जटिल अध्ययन किया जिसमें कम से कम 50 अलग-अलग सांपों से जुड़ी 180 लोकेशन को ट्रैक कर जानकारियां जुटाई गईं। चार वयस्क सांपों पर बहुत हाई फ्रीक्वेंसी वाले रेडियो टैग लगाए गए और उन्हें ट्रैक किया गया।

शोधकर्ताओं ने पेरू में चार हरे एनाकोंडा को कैसे ट्रैक किया : वैज्ञानिकों को दर्ज की गई रेडियो लोकेशन्स में से सिर्फ 23 जगहों पर यानी 17.7% मामलों में ही ये सांप बिना किसी रुकावट के दिखाई दिए। ये नतीजे बताते हैं कि इन जानवरों का छिपा रहना और सिर्फ धूप सेंकने के लिए ही बाहर आना क्यों मायने रखता है।

सिर्फ 17.7% बार ही इंसानी नजरों के सामने आए

शोधकर्ताओं ने कम से कम 50 एफेबोपस मुरिनस प्रजातियों से संबंधित 180 ऑब्जर्वेशन दर्ज किए जिनमें से 130 रिकॉर्ड टेलीमेट्री ट्रैकिंग द्वारा प्राप्त किए गए, जो कुल का 72.2% है। क्षेत्र कार्य में नदियों, धाराओं, ऑक्सबो झीलों और अगुआजलों सहित विभिन्न प्रकार के जलीय वातावरण शामिल थे। अगुआजल एक आर्द्रभूमि है जिसमें अगुआज ताड़ के पेड़ प्रमुख होते हैं जिन्हें वैज्ञानिक रूप से मॉरिटिया फ्लेक्सुओसा के नाम से जाना जाता है। टैग किए गए साँपों को लॉस एमिगोस, लास पिएड्रास और माद्रे डी डियोस नदियों के किनारे ट्रैक किया गया।

गुजरात का अनोखा गांव, 1000 साल से रह रहे अफ्रीकी मूल के लोग



गांधीनगर। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में बसा जाम्बुर गांव पहली नजर में आश्चर्य से भर देगा। यहां रहने वाले लोग दिखने में बिल्कुल अफ्रीकी मूल के हैं, लेकिन ठेठ गुजराती या साफ हिंदी में बात करते हैं। इनके नस-नस में अफ्रीका बहता है, लेकिन दिल पूरी तरह हिंदुस्तानी है। हम बात कर रहे हैं 'सिद्दी' समुदाय की। सदियों पहले अफ्रीका से आकर भारत को अपना आशियाना बनाने वाला यह अल्पसंख्यक समुदाय आज हमारी विविधता का एक खूबसूरत हिस्सा है। उन्होंने अपनी अफ्रीकी 'बांटू' जड़ों को समेटे हुए भारतीय संस्कृति को ऐसे गले लगाया है, जैसे दूध में चीनी मिल जाती है।

स्थानीय लोग बताते कि लगभग 1000 साल पहले जूनागढ़ के नवाब उनके पूर्वजों को अफ्रीका (युगांडा) से जहाज में काम करने के लिए यहां लाए थे। जब महल का काम पूरा हो गया, तो नवाब ने उन्हें यहीं जमीन देकर बसा दिया। शुरुआत में वे अपनी अफ्रीकी भाषा बोलते थे, लेकिन धीरे-धीरे वक्त के साथ वे गुजराती रंग में ऐसे रंगे कि अब उन्हें अपने अफ्रीकी अतीत या वहां की संस्कृति के बारे में कुछ खास याद नहीं है।

सुरक्षा छात्रों की सुरक्षा के लिए इंतजाम

हॉस्टल में लगे एंटी-सुसाइड फैन, 10 किलो से ज्यादा वजन पड़ते ही आ जाएंगे नीचे

गांधीनगर। देश के कई शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामले सामने आने के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। पढ़ाई का दबाव, परीक्षा की चिंता और निजी परेशानियां कई बार छात्रों के लिए मुश्किलें खड़ी कर देती हैं। ऐसे में हॉस्टल में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा को लेकर गुजरात की एक यूनिवर्सिटी का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इस वीडियो में हॉस्टल के कमरों में खास तरह के पंखे लगे दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें एंटी-सुसाइड फैन कहा जा रहा है। तो आइए जानते हैं कि वीडियो में क्या दिखाया गया है।



सिर्फ पंखे बदलने से कैसे दूर होगी समस्या?

छात्रों की सुरक्षा के लिए हॉस्टल में इस तरह के इंतजाम जरूरी हो सकते हैं, लेकिन मानसिक परेशानी से जूझ रहे छात्रों की मदद करना भी उतना ही अहम है। पढ़ाई, परीक्षा और भविष्य की चिंता के बीच कई छात्र अपनी परेशानी किसी से साझा नहीं कर पाते। ऐसे में कॉलेजों में काउंसलिंग, समय पर मदद और भरोसेमंद बातचीत की व्यवस्था होनी चाहिए।

हॉस्टल में कैसे काम करते हैं ये खास पंखे?

वायरल वीडियो में दिख रहा पंखा सामान्य पंखे से अलग नजर आता है। इसे छत से जोड़ने के लिए स्प्रिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया दिखाई देता है। वीडियो में व्यक्ति जैसे ही पंखे को नीचे खींचता है, वह छत से नीचे आ जाता है। इस तरह की व्यवस्था का मकसद ज्यादा भार पड़ने की स्थिति में खतरे को कम करना बताया जा रहा है। हालांकि, केवल वीडियो देखकर इस पंखे की पूरी तकनीक और सुरक्षा की गारंटी के बारे में कुछ कहना सही नहीं होगा। इसके लिए पंखे की बनावट, उसकी जांच और इस्तेमाल से जुड़ी जानकारी होना जरूरी है।





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com